डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

झुग्गी झोपड़ी

प्रयागराज से प्रकाशित. हम बनेंगे आपकी आवाज हिन्दी दैनिक

Website : www.jhuggijhopri.com www.jjnews.in प्रयागराज,शुक्रवार.18 नवंबर,2022 वर्ष–07 / अंक–188 प्रष्ठ–08 / मूल्य–2 रूपये

मोदी की सौराष्ट्र में रैलियां 20 नवंबर से, तीन दिन में सात सभाएं करेंगे

गुजरात में पहले चरण में 89 सीटों पर एक दिसंबर को चुनाव होगा। इसके लिए नामांकन की प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। नाम वापस का आखिरी दिन गुरुवार है। चुनाव प्रचार के लिए राजनीतिक दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। एक–दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप और टिकट के लिए बगावती रूख भी सामने आने लगे हैं। आइए जानते हैं गुजरात विधानसभा चुनाव से जुड़े सारे अपडेट्स.. लाइव अपडेटभाजपा नेता अल्पेश ठाकोर ने गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए गांधीनगर दक्षिण सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल मौजूद रहे। नामांकन दाखिल करने के बाद अल्पेश ठाकोर ने कहा कि हम जनता का प्यार जीतने की कोशिश करेंगे। भाजपा सरकार विकास की राजनीति कर रही है। मुझे पूरा भरोसा है कि लोगों का प्यार और समर्थन एक बार फिर भाजपा को मिलेगा। हलोल सीट पर कांग्रेस ने बदला उम्मीदवार कांग्रेस ने पंचमहल जिले की हलोल सीट से अपना उम्मीदवार बदल दिया है। पार्टी ने राजेंद्र पटेल की जगह अनीशभाई बरिया को उम्मीदवार बनाया है। दिग्विजय सिंह का मोदी पर हमलाकांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा है कि गुजरात के विकास की जो कहानी सुनाई जाती है। उसे ऐसे बताया जाता है जैसे सारा विकास नरेंद्र मोदी ने किया है और मोदी ही गुजरात हैं। ये एक व्यक्ति के अहंकार का सबसे बड़ा सबूत है। गांधीनगर में मुख्यमंत्री का रोड शो मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को गांधीनगर में भाजपा उम्मीदवार अल्पेश ठाकोर के साथ रोड शो किया। 2017 में कांग्रेस के टिकट पर जीते अल्पेश को भाजपा ने गांधीनगर दक्षिण से अपना उम्मीदवार बनाया है। बिलकिस के दोषियों की रिहाई को कांग्रेस ने चुनाव में बनाया मुद्दा, घोषणापत्र में किया जिक्र 2002 बिलकिस बानो सामूहिक दुष्कर्म मामले के 11 दोषियों की समयपूर्व रिहाई भी गुजरात विधानसभा चुनाव में एक मुद्दा बन गया है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इस मुद्दे को अपने घोषणापत्र में जिक्र किया है और पीड़ितों को न्याय दिलाने का संकल्प जताया है। पढ़ें पूरी खबर. ..कांग्रेस का कोई जनाधार नहीं बचा है अल्पेश ठाकोर गुजरात की गांधीनगर दक्षिण विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अल्पेश ठाकोर ने दावा किया है भाजपा इस चुनाव में 150 सीटें जीतेगी। 2017 में कांग्रेस के टिकट पर जीते ठाकोर ने कहा कि कांग्रेस के नेता आपस में लड़ रहे हैं। कांग्रेस का कोई आधार नहीं बचा है। गुजरात में कांग्रेस खत्म हो चुकी है। इसी वजह से लोग आम आदमी पार्टी की चर्चा कर रहे हैं। गुजरात में भाजपा पहले भी जीतती रही है, आगे भी भाजपा ही जीतेगी। अल्पेश ठाकोर ने दावा किया कि उन्होंने लोगों का दिल जीता है। भाजपा के सभी कार्यकर्ता उनके साथ हैं। गांधीनगर ही नहीं अहमदाबाद में भी भाजपा जीतेगी।

मोदी की सौराष्ट्र में रैलियां 20 नवंबर से, तीन दिन में सात सभाएं करेंगे

प्रधानमंत्री मोदी की सौराष्ट्र में रैलियां 20 नवंबर से

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 से 22 नवंबर तक लगातार तीन दिन गुजरात के सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे। 20 नवंबर को प्रधानमंत्री की सौराष्ट्र में तीन रैलियां होंगी। 21 नवंबर को भी प्रधानमंत्री की दो रैलियां हैं। इनमें से एक रैली सौराष्ट्र इलाके में तो एक दक्षिण गुजरात इलाके में होगी। इसी तरह 22 नवंबर को सौराष्ट्र में दो रैलियां होंगी। रैलियों को संबोधित करने के साथ प्रधानमंत्री के रोड शो भी होंगे।

राहुल की मौजूदगी में राष्ट्रगीत की जगह बजा गलत गाना, ट्रोल्स के निशाने पर आए कांग्रेस नेता

महाराष्ट्र के वासिम में बुधवार को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के एक कार्यक्रम में राष्ट्रगीत के बजाय एक गलत गाना बजने का वीडियो वायरल हो गया। इस गलती के लिए भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी और कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। महाराष्ट्र के भाजपा नेता नितेश राणे ने इस घटना का एक वीडियो भी साझा किया है और ट्वीट किया कि राहुल का कॉमेडी सर्कस। तमिलनाडु के भाजपा नेता अमर प्रसाद रेड्डी ने भी वही वीडियो शेयर कर लिखा कि राहुल गांधी, यह क्या है?

जानें क्या है मामला?

दरअसल, महाराष्ट्र के वासिम में भारत जोड़ो यात्रा

के दौरान राहुल गांधी और कुछ कांग्रेस नेता एक मंच पर लोगों को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान राहुल गांधी ने बगल में खड़े नेताओं से राष्ट्रगीत बजाने के लिए कहा लेकिन गलती से कुछ और गाना बजने लगा। लगभग पांच सेकेंड तक तो राहुल गांधी सावधान मुद्रा में खड़े रहे लेकिन फिर उन्हें जैसे ही एहसास हुआ कि गलत गाना बज रहा है तो फौरन उन्होंने नेताओं को रोक दिया और राष्ट्रगीत बजाने के लिए कहने लगे। हालांकि, राहुल के कहने के बावजूद भी कुछ नेता उनकी बातों को नहीं समझ पा रहे थे। ट्रोल्स और भाजपा नेताओं के निशाने पर आए राहुल गांधी

भाजपा नेता नितेश राणे ने ट्वीट करते हुए लिखा कि राहुल का कॉमेडी सर्कस। वहीं भाजपा नेता अमर प्रसाद रेड्डी ने भी वही वीडियो शेयर कर लिखा कि राहुल गांधी, यह क्या है? वहीं सोशल मीडिया यूजर्स ने भी राहुल गांधी का मजाक उड़ाया। एक यूजर ने लिखा कि क्या यह नेपाल का राष्ट्रगान है? एक अन्य यूजर ने लिखा कि राहुल को 5 सेकंड से ज्यादा समय यह समझने में कि यह गलत गाना बजा है। रामेश्वर सनातनी नाम के यूजर ने लिखा कि इनलोगों पर गलत राष्ट्रगीत गाने और इसके अपमान के लिए केस दर्ज होना चाहिए।

संक्षिप्त सार

राहुल के कार्यक्रम में राष्ट्रगान के बजाय बजने लगा कुछ और

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान उस समय अजीब स्थिति पैदा हो गई जब राष्ट्रगीत के बजाय स्पीकर पर कुछ और ही गीत बजने लगा। इसे लेकर अब राहुल गांधी भाजपा और विरोधियों के निशाने पर हैं। ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब शेयर किया जा रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि महाराष्ट्र में कार्यक्रम के दौरान मंच पर मौजूद राहुल गांधी नेताओं से राष्ट्रगीत चलाने को कहते हैं, लेकिन जब इसे चलाया जाता है तो कोई दूसरा ही गीत बजने लगता है।

अमरेली में मोदी की राहुल से टक्कर, क्या कांग्रेस का गढ़ भेद पाएंगे प्रधानमंत्री

गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी अब तक प्रचार से दूर रहे हैं। लेकिन अमरेली में 22 नवंबर को एक बड़ी जनसभा के जरिए राहुल गांधी की गुजरात विधानसभा चुनाव में एंट्री हो रही है। पार्टी को उम्मीद है कि इससे अमरेली के साथ–साथ आसपास की दो दर्जन से अधिक सीटों पर असर पड़ेगा और कांग्रेस की चुनावी तैयारियों को बल मिलेगा। लेकिन राहुल गांधी की रैली से पहले 20 नवंबर को अमरेली के उसी मैदान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी जनसभा होनी है, लिहाजा अचानक ही इस रैली को 'मोदी बनाम राहुल' के नजरिये से देखा जाने लगा है। कांग्रेस भाजपा की रैली से ज्यादा

बड़ी भीड़ लाने के लिए जुट गई है।

यह पहला मामला नहीं है कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमरेली में चुनाव प्रचार के लिए जा रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने भाजपा के लिए जमकर प्रचार किया था, हालांकि भाजपा को इसका कोई लाभ नहीं मिल पाया था। अमरेली की पांच में से चार सीटों (अमरेली, राजुला, लाठी और सांवरकुंडला) पर कांग्रेस के उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की थी, जबकि एक सीट धारी पर भाजपा उम्मीदवार जीतने में सफल रहा था। कांग्रेस राहुल गांधी की अमरेली की जनसभा के बाद एक अन्य जनसभा आयोजित कर पार्टी के चुनाव प्रचार में मजबूती लाने की कोशिश करेगी। इसके बीच अन्य शीर्ष नेताओं के कार्यक्रम भी तय किए जा रहे हैं।

प्रचार को मिलेगी बूस्टर डोज– अर्जुन भाई मोडवाडिया

गुजरात कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन भाई मोडवाडिया ने अमर उजाला से कहा कि मीडिया के प्रचार से दूर कांग्रेस जमीनी स्तर पर चुनाव प्रचार में जुटी हुई है और इसका सीधा असर आने वाले चुनाव परिणाम में दिखाई पड़ेगा। कांग्रेस ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूती के साथ अपना जनाधार बनाये रखने के साथ–साथ शहरी क्षेत्रों में भी मजबूत होने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी उनके लोकप्रिय नेता हैं, उनके अमरेली आने से पार्टी के प्रचार को बूस्टर डोज मिलेगी। राहुल गांधी की एक अन्य जनसभा भी आयोजित की जाएगी जिससे पूरे गुजरात में पार्टी के चुनाव प्रचार को गतिशीलता प्रदान किया जा सके।

कांग्रेस के अनुभवी नेता मोडवाडिया ने बताया कि 'भारत जोड़ो यात्रा' से राहुल गांधी की छवि एक जननायक की बनकर उभरी है। इससे केवल गुजरात में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पार्टी को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में राहुल गांधी के साथ पार्टी के अन्य शीर्ष नेताओं की जनसभाएं भी आयोजित की जायेंगी। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि भाजपा के 27 साल के शासन में उपजा जनाक्रोश उनकी बड़ी ताकत है और वे इस चुनाव में सरकार बनाने में सफल रहेंगे।

अर्जुन भाई मोडवाडिया ने कहा कि आम आदमी पार्टी के यहां आने से कोई बड़ा असर नहीं होने वाला है। यहां के लोग उन्हें एक वोट कटवा जैसी पार्टी के रूप में देख रहे हैं। इसी बीच कांग्रेस ने भी 300 यूनिट बिजली, 500 रुपये में सिलेंडर और कर्जमाफी जैसी घोषणाएं कर दी हैं, लिहाजा आम आदमी पार्टी का दावा अब कमजोर पड़ गया है। उनका दावा है कि आम आदमी पार्टी का गुजरात में प्रमुख विपक्षी दल बनने का सपना पूरा नहीं हो पायेगा और उसका खाता खुलना भी मुश्किल होगा।

राहुल बोले– सावरकर ने अंग्रेजों की मदद कीय उद्धव का जवाब– कांग्रेस नेता का बयान स्वीकार्य नहीं

कांग्रेस नेता राहुल गांधी विनायक दामोदर सावरकर के अंग्रेजों की मदद करने की बात दोहराई। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर ने अंग्रेजों की मदद की। राहुल ने महाराष्ट्र सरकार को भारत जोड़ो यात्रा को रोकने की चुनौती भी दी। इससे पहले महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना के एक धड़े के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस नेता टिप्पणी से पल्ला झाड़ लिया। उद्धव ने कहा कि उनकी पार्टी वीडी सावरकर का बहुत इज्जत करती है और वह स्वतंत्रता सेनानी पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी को स्वीकार नहीं करते हैं। हमारे मन में स्वतंत्र वीर सावरकर के लिए बहुत सम्मान और विश्वास है और इसे मिटाया नहीं जा सकता। राहुल ने सावरकर का कथित पत्र भी पढ़ा

लोगों से बात करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक पत्र को पढ़ा। दावा किया कि वह वीर सावरकर ने अंग्रेजों को लिखा था। राहुल ने पत्र को पढ़कर सुनाया कि सर, मैं आपके सबसे आज्ञाकारी सेवक बने रहने की विनती करता हूं। उस पर हस्ताक्षर भी किए गए थे। सावरकर ने अंग्रेजों की मदद की। उन्होंने डर के मारे पत्र पर हस्ताक्षर करके महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल जैसे नेताओं को धोखा दिया।क्या कहा था राहुल ने?इससे पहले वाशिम जिले में मंगलवार को अपनी भारत जोड़ो यात्रा के तहत आयोजित एक रैली के दौरान राहुल गांधी ने कहा था कि सावरकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रतीक हैं। सावरकर ने खुद पर एक अलग नाम से एक किताब लिखी थी और बताया था कि वह कितने बहादुर थे। कांग्रेस सांसद ने कहा था कि सावरकर को अंडमान में दो–तीन साल की जेल हुई थी। उन्होंने दया याचिकाएं लिखनी शुरू की थीं। सावर ने अंग्रेजों की हर तरह से मदद की थी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया था किवह अंग्रेजों से पेंशन लेते थे, उनके लिए काम करते थे और कांग्रेस के खिलाफ काम करते थे।महाराष्ट्र सरकार को दी चेतावनी राहुल ने कहा कि यह अवधारणा गलत है कि कांग्रेस, भाजपा के खिलाफ लड़ाई नहीं लड़ रही है। 2024 के आम चुनाव में राहुल गांधी के कांग्रेस पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार होने संबंधी सवाल पूछे जाने पर कांग्रेस नेता ने कहा कि यह भारत जोड़ो यात्रा से ध्यान भटकाने का प्रयास है। राहुल गांधी ने उनकी 'भारत जोड़ो यात्रा' के कांग्रेस पर होने वाले प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर कहा कि मैं ज्योतिषी नहीं हूं, भविष्य नहीं बता सकता

रैली और रोड शो के बाद मोदी–शाह घर–घर जाकर मांगेंगे वोट, 4 दिन में सड़कों पर उतरेंगे 54 नेता

गुजरात विधानसभा चुनाव के उम्मीदवार घोषित होने के बाद राजनीतिक दलों ने प्रचार अभियान जोर शोर के साथ शुरू कर दिया है। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल आए दिन गुजरात में नजर आ रहे हैं। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी भारत जोड़ो यात्रा छोड़कर कुछ दिन प्रदेश में चुनावी रैलियां करेंगे। सत्ताधारी भाजपा ने भी पीएम–गृह मंत्री और केंद्रीय मंत्री के लिए खास रणनीति तैयार की है। सभा और रोड शो खत्म होने के बाद पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह भी गली मोहल्लों में जाकर पार्टी के पर्चा बांटते हुए नजर आएंगे। हालांकि पीएम किन मोहल्लों में जाएंगे, इसका प्लान अगले हफ्ते तक तैयार हो जाएगा। पीएम करीब चार से छह मोहल्लों में प्रचार के लिए जा सकते हैं। किसी चुनाव में ऐसा पहली बार होगा कि पार्टी के सभी स्टार प्रचारक घर–घर जाकर जनसंपर्क करेंगे। इससे पहले गृहमंत्री शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा उत्तर प्रदेश, हिमाचल समेत कुछ चुनावों में घर–घर जाकर जनसंपर्क चुके हैं।पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि केंद्रीय मंत्री और पार्टी के पदाधिकारी पहले चरण की 89 विधानसभा सीटों पर तीन दिन तक प्रवास करेंगे। चुनाव प्रचार खत्म होने से पहले के दो दिन 28–29 नवंबर और 2–3 दिसंबर को पीएम मोदी, गृह मंत्री शाह समेत दिग्गज केंद्रीय मंत्री जनसंपर्क करेंगे। पार्टी का मानना है कि इस अभियान से राज्य में पार्टी की सीटें और वोट शेयर में इजाफा होगा। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ, मध्यप्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, असम के सीएम हेमंत बिस्वा शर्मा समेत 54 नेता सभा और रोड शो खत्म होने के बाद घर– घर जाकर भी प्रचार करेंगे।पीएम दक्षिण गुजरात से शुरू करेंगे चुनावी अभियान जानकारी के अनुसार, पीएम मोदी 19 नवंबर शनिवार से अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे। वे तीन दिनों में आठ चुनाव रैलियों को संबोधित करेंगे।

साइको टेस्ट फेल होने पर भी लोको पायलट मिल सकता है एक और मौका

रेड सिग्नल को पार करने पर दंडित लोको पायलट (ट्रेन के चालक) को फिर से ड्यूटी करने के लिए एक से ज्यादा साइको टेस्ट का मौका मिल सकता है। अभी तक एक बार ही टेस्ट का अवसर मिलता है, लेकिन रेलवे बोर्ड ने रेल यूनियनों की मांग पर पहल की है। सभी जोनल रेलवे से इस संबंध में एक पखवाड़े में सुझाव मांगा है। दरअसल, सिग्नल पास्ड एंड डेंजर (स्पॉड) के मामले में शामिल लोको पायलटों को रनिंग ड्यूटी पर वापस लाने से पहले साइको टेस्ट देना पड़ता है। कुछ रेलवे के यूनियनों ने इस संबंध में साइको टेस्ट फेल होने पर और अवसर देने की मांग की थी। हालांकि, इसे लेकर कुछ जोनल रेलवे का मत इसके खिलाफ है। उनका मानना है कि रनिंग स्टॉफ को मनोवैज्ञानिक परीक्षण के लिए केवल एक प्रयास की अनुमति दी जानी चाहिए। यदि कर्मचारी मनोवैज्ञानिक परीक्षण में विफल रहता है, तो उसे रनिंग ड्यूटी से निकालकर नॉन रनिंग ड्यूटी में तैनात किया जाना चाहिए। रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक सुरक्षा–द्वितीय कैलाश प्रसाद यादव ने 14 नवंबर 2022 को सभी क्षेत्रीय रेलवे के महाप्रबंधकों को पत्र लिखकर उनका विचार मांगा है। माना जा रहा है कि रेलवे बोर्ड इस मामले में लोको पायलटों के साथ सहानुभूतिपूर्ण निर्णय ले सकता है। जिसके बाद उन्हें साइको टेस्ट फेल होने के बाद दूसरा मौका भी दिया जाएगा। इस संबंध में पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ के महामंत्री विनोद राय का कहना है कि रेलवे बोर्ड के साथ नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवे की बैठक में इस मुद्दे को उठाया गया था। लोको पायलट को फेल होने के बाद साइको टेस्ट के लिए एक और अवसर मिलना चाहिए।

सौ और दृष्टिहीनों के जीवन में फैलेगा शिक्षा का उजियारा

स्पर्श राजकीय दृष्टिबाधित बालक इंटर कॉलेज सत्र 2023–24 से सौ और दृष्टिहीन बच्चों के जीवन में शिक्षा का उजियारा फैलाएगा। कॉलेज परिसर में बन रहे नए भवन, पानी की टंकी और छात्रावास का कार्य दिसंबर तक पूरा होने की उम्मीद है। जिसके बाद से नए सत्र में कक्षा एक से बारहवीं में पढ़ने वाले सौ बच्चों के रहने और पढ़ाई का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। वर्ष 1956 में स्थापित विद्यालय में वर्तमान में सौ विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इनके रहने, खाने–पीने और पढ़ाई का खर्च पूरी तरह सरकार की ओर से वहन किया जाता है। जबकि, 25 बच्चे बिना आवासीय सुविधा के अध्यनरत हैं। जिन्हें घर से लाने और ले जाने की सुविधा भी सरकार की ओर से उपलब्ध कराई जाती है। इसके साथ ही अध्ययन सामग्री के रूप में ब्रेल किट और स्मार्ट फोन भी सरकार की ओर से प्रदान किया जाता है।

काफी पुराना भवन होने की वजह से कॉलेज प्रबंधन ने नए भवन, पानी की टंकी और छात्रावास का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा था। वर्ष 2020 में शासन ने आठ करोड़ 81 लाख, 66 हजार रुपये की धनराशि जारी करते हुए कार्यदायी संस्था पैक्सफेड को निर्माण की जिम्मेदारी दी। संस्था की ओर से कार्य प्रारंभ भी किया गया, मगर कोरोना काल में निर्माण कार्य अपेक्षित प्रगति नहीं पकड़ सका। अब, दोबारा कार्यदायी संस्था को दिसंबर तक कार्य पूरा कराने का दायित्व मिला है। निर्माण कार्य भी 70 फीसदी तक पूरा हो गया है।

हर क्लास होगी स्मार्ट

दृष्टिबाधित बच्चों के हर क्लास को स्मार्ट क्लास के रूप में विकसित किए जाने की सरकार की ओर से तैयारी की जा रही है। प्रथम चरण में सभी राजकीय स्पर्श विद्यालयों को स्मार्ट क्लास से लैस किया जा रहा है। स्पर्श राजकीय दृष्टिबाधित बालक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य लक्ष्मी शंकर जायसवाल ने कहा कि विद्यालय परिसर में नए भवन और छात्रावास का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। कार्यदायी संस्था की ओर से दिसंबर तक कार्य पूरा कर लेने की उम्मीद है। नए सत्र में विद्यालय में सौ और बच्चों का प्रवेश होगा।

बर्गर, चाऊमीन और मोमोज खाते हैं तो पड़ सकते हैं मिर्गी के दौरे

अगर आप बर्गर, चाऊमीन, स्प्रिंग रोल और मोमोज जैसे फास्ट फूड खाने के शौकिन हैं तो सावधान हो जाइए। इस तरह के फास्ट फूड का सेवन करने वालों में मिर्गी जैसी बीमारी का खतरा 90 फीसदी तक बढ़ जाता है। कारण हैं इनमें पड़ने वाली अधपकी सब्जियां। चिकित्सकों के मुताबिक इन सब्जियों क्रिमी टेपवर्म मिलने की आशंका अधिक होती है। ठीक से न पकने पर ये जीवित ही शरीर में प्रवेश कर जाते हैं और न्यूरोलॉजिक डिसॉर्डर का कारण बनते हैं। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. नागेंद्र वर्मा ने बताया कि अधपके फास्ट फूड से जानलेवा क्रिमी टेपवर्म के शरीर में पहुंचने की आशंका 90 फीसदी तक होती है। इससे जीवन पर भी संकट हो सकता है। क्रिमी टेपवर्म पेट के जरिए रक्त प्रवाह के जरिए दिमाग तक पहुंच जाते हैं। इसकी वजह से दिमाग में गांठ पड़ जाती है। ऐसी स्थिति में खून की धमनियां ब्लॉक हो जाती और बैक्टीरिया नसों को पंक्चर कर देता है। इससे ब्रेन हेमरेज का खतरा 70 फीसदी रहता है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के न्यूरो सर्जन डॉ. सतीश नायक ने बताया कि ओपीडी में आठ से 10 फीसदी मरीज मिर्गी की शिकायत लेकर आ रहे हैं। इनमें किशोर और युवाओं की संख्या अधिक है। इसकी वजह फास्ट फूड में पड़ने वाली कच्ची पत्ता गोभी और पालक है।

पत्ता गोभी और पालक में मिलते हैं सबसे ज्यादा

न्यूरो फिजिशियन डॉ. अनुराग सिंह ने बताया कि क्रिमी टेपवर्म सब्जियों में पाया जाता है। सबसे ज्यादा पत्तागोभी, पालक और फूलगोभी में मिलता है। इन सब्जियों का इस्तेमाल फास्ट फूड में किया जाता है। इसे लोग बिना पकाए ही खाते हैं। इसकी वजह से टेपवर्म भोजन के साथ शरीर में प्रवेश कर जाता है। एक बार यह शरीर में प्रवेश कर गया तो दिक्कतें शुरू हो जाती हैं। मरीज सिर में तेज दर्द, झटके की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंचते हैं। मरीजों को कई बार मिर्गी के दौरे भी पड़ते हैं। कई बार मरीज बेहोश भी हो जाता है। दिमाग के सीटी स्कैन में इसकी जानकारी मिलती है। यह धीरे–धीरे दिमाग की नसों में गांठें बना लेता है। इसकी सिंकाई भी मुश्किल है।

तेजी से शरीर में फैलता है टेपवर्म

डॉ. सतीश नायक ने बताया कि टेपवर्म का सबसे पहला हमला आंतों पर होता है। इसके बाद यह रक्त प्रवाह के जरिए शरीर की नसों के माध्यम से दिमाग तक पहुंच जाता है। इसके बाद इसकी संख्या दिमाग की नसों में तेजी से बढ़ती है। दिमाग में ज्यादा कीड़े होने के कारण मरीज को तेजी से झटके आते हैं। कई बार डायलिसिस करने का प्रयास भी होता है, लेकिन ये कीड़े ज्यादा तापमान पर मरते हैं। ऐसी स्थिति में डायलिसिस कर पाना भी संभव नहीं होता है और मरीज की मौत तक हो जाती है।

विज्ञापन दर
समाचार पत्र का साइज 25x32
फुल पेज कलर प्रथम पेज 74 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज कलर अंतिम पेज 49 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W प्रथम पेज 35 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W अंतिम पेज 19 हजार रूपये मात्र।
4x6 प्रथम पृष्ठ 3000 और दूसरी पेज 2000 ब्लैक और कलर प्रथम पृष्ठ 5000 दुतीय पेज 3000
क्लासीफाइड विज्ञापन 250 रूपये मात्र।
क्लासीफाइड मंथली पांच हजार रूपये मात्र।
कोर्ट नोटिस प्रथम पार्टी 450 रूपये मात्र।
अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मे सम्पर्क करे।
9918366626

बाप संग बेटियों की आत्महत्या, लिखा- मैं जान दे सकती हूं, पिता का सिर नहीं झुकने दे सकती..

पिता जीतेंद्र श्रीवास्तव और बहन मानवी के साथ खुदकुशी करने वाली नौवीं की छात्रा मान्या ने अपनी डायरी में जो भावनाएं दर्ज की हैं वह झकझोर देने वाली हैं। पढ़कर ऐसा लगता है कि उसे किसी अपने ने गहरी भावनात्मक चोट पहुंचाई थी। यही वजह है कि उसने लिखा है कि वह जान दे सकती है, लेकिन पिता का सिर नहीं झुकने दे सकती... अब मैं आराम करना चाहती हूं, कृपया मुझे माफ कर दें... लिखकर उसने अपने आत्मघाती कदम उठाने का भी संकेत दिया था। काश कोई उसकी इस डायरी को पढ़ा होता...

मान्या ने अंग्रेजी में अपनी डायरी में लिखा है कि मैं कभी यह कल्पना नहीं कर सकती थी कि जिसको मैंने अपना इतना घनिष्ठ दोस्त माना, वह मेरे बारे में इतनी घटिया सोच रखती है। शायद मैं मूर्ख थी, जो किसी के भी दुख में दुखी हो जाती थी, तो किसी की भी खुशियों में खुलकर हंसती थी और सबका उत्साहवर्धन करती थी। परंतु मैं गलत थी।

मान्या ने आगे लिखा है कि यह जरूर है कि हमारी मां नहीं है, परंतु हम भी एक अच्छे और सम्मानित परिवार से आते हैं। हमें मरना पसंद है, पर अपने परिवार के सम्मान और प्रतिष्ठा को ताक पर रखना कतई बर्दाश्त नहीं है। अब मैंने प्रण किया है कि चाहे कोई कितना भी करीबी क्यों न हो, अपने दिल की भावनाएं किसी भी परिस्थिति में किसी से भी साझा नहीं करूंगी।

मान्या के दर्द को इन शब्दों से भी समझा जा सकता है। उसने लिखा है कि आखिर क्यों मुझे इन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है? क्यों इतनी मानसिक यातना? शायद इसका जवाब मेरे पास नहीं है। मैंने अपने स्तर पर इन सवालों के जवाब ढूंढने की काफी कोशिश की, लेकिन विफल रही। मेरा हृदय अब एक पत्थर की तरह हो गया है। मेरी आंखें पीड़ा से भर जातीं हैं, जब मैं किसी नई समस्या में पड़ती हूं।

मान्या ने लिखा है कि इन सबके बावजूद मैंने खुद को संभाल कर रखा है, परंतु मैं नहीं जानती कि कब तक मैं इसमें सफल रहूंगी। यह जीवन परेशानियों और दुखों से भरा पड़ा है। यहां कोई किसी का साथ नहीं देता, कोई किसी को समझने का प्रयास नहीं करता। ये अनुभूतियां मुझे अंदर से झकझोर देती हैं। अगर इस पूरे संसार में मेरा कोई अपना है, तो वे हैं मेरे पिता और मेरी बहन, पर कभी–कभी वे भी मुझे नहीं समझते। मैं हमेशा से एक शांत स्वाभाव कि लड़की रही हूं और खुद को खुश रखने का प्रयास भी बहुत किए हैं। पर अब मैं पूरी तरह से टूट चुकी हूं। अपना संबल खो चुकी हूं। मुझमें अब हिम्मत नहीं बची है। अब मैं आराम करना चाहती हूं। कृपया मुझे माफ कर दें...

मकान में ताला बंद कर शाहपुर पुलिस ने रखी है चाबी

शाहपुर इलाके के घोसीपुरवा में पिता और दो बेटियों की आत्महत्या से पूरा शहर स्तब्ध है। बुधवार को हर किसी की जुबां पर घटना की चर्चा रही। मान्या के दादा ओमप्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि मंगलवार को ही शाहपुर पुलिस छानबीन के लिए मकान में ताला बंद कर चाबी अपने पास रखी ली। बीपी की दवा देने के लिए ताला पुलिस ने खोला था। इसके बाद से ताला बंद है। जीतेंद्र, मान्या और मानवी की आत्मा की शांति के लिए बुधवार की दोपहर ओम प्रकाश ने घर के बाहर दरवाजे की सीढ़ी पर ही गायत्री परिवार की ओर से हवन–पूजन किया। यह कहते–कहते ओमप्रकाश भावुक हो गए। बोले, गार्ड की नौकरी से जब वेतन

मिलता था, तो दोनों बच्चियों को प्रत्येक माह 50–50 रुपये देता था, जो आर्थिक तंगी के चलते इधर तीन माह से नहीं दे पाया था।

पिता और दोनों पुत्रों ने पिछले माह कराई थी जमानत

वर्ष 2006 में कॉलोनी की ही एक महिला से ओमप्रकाश और दोनों बेटों जीतेंद्र और नितेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। तीनों का वारंट 21 अक्तूबर को आया था। मामले में शाहपुर पुलिस ने तीनों को हिरासत में लिया था। बाद में तीनों ने जमानत कराई थी। छह माह से बिजली का बिल भी बकाया

ओमप्रकाश श्रीवास्तव की आर्थिक स्थिति खराब होने की वजह से जीतेंद्र काफी परेशान रहते थे। बेटी की फीस के साथ छह माह का बिजली का बिल भी बकाया था। करीब सात हजार रुपये बिजली का बिल हो चुका था। कई बार जमा करने की कोशिश हुई, लेकिन रुपये इकट्ठा नहीं हो पा रहे थे।

भावनात्मक रूप से टूट चुकी थी मान्या

जिला अस्पताल के मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित शाही ने बताया कि मान्या की डायरी में लिखे उसके दर्द से पता चलता है कि उसने भावनात्मक रूप से अपनों से चोट खाई थी। यही वजह है कि वह अवसाद में थी। छोटे बच्चों पर अवसाद का असर ज्यादा गंभीर पड़ता है। बच्ची के अंदर बौद्धिक क्षमता विकसित हो गई थी। समस्याओं को समझने की परख थी, लेकिन उसके निकलने का रास्ता वह नहीं ढूंढ पाई। इसे लेकर वह काफी बेचैन थी। सामाजिक स्तर पर उसकी सहभागिता कम थी। अगर समाज से वह कुछ कह पाती, तो वह अंदर से इतना नहीं टूटती। बताया कि हर 20 लोग ऐसी स्थिति में आत्महत्या की कोशिश करते हैं, जिसमें केवल एक ही ऐसा कर पाता है। ऐसे में यह तय है कि वह एकदम टूट चुकी थी।

यह है मामला

कई माह से आर्थिक तंगी झेल रहे धोसीपुरवा निवासी जीतेंद्र श्रीवास्तव ने सोमवार की रात अपने दो बेटियों मान्या और मानवी के साथ खुदकुशी कर ली। मंगलवार सुबह तीनों के शव दो अलग–अलग कमरों में पंखे से लटकते मिले थे। जीतेंद्र पिछले पांच माह से बेटियों की स्कूल फीस 35,000 रुपये नहीं जमा कर पाए थे। वह घर पर ही सिलाई का काम करते थे। कैंसर पीड़ित पत्नी सिम्मी की दो साल पहले मौत हो चुकी है। जीतेंद्र के पिता ओम प्रकाश श्रीवास्तव सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते हैं।

माँ शिवकुमारी शुक्ला इण्टर कालेज लालापुर में बड़े धूमधाम से मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय छात्र दिवस

लालापुर – प्रयागराज रू क्षेत्र में मां मसुरियन माई के आंचल पर स्थित मां शिवकुमारी शुक्ला इण्टरमीडिएट कॉलेज भटपुरा लालापुर में अंतरराष्ट्रीय छात्र दिवस विद्यालय प्रांगण में बड़े ध ूमधाम से मनाया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रबन्धक विवेक शुक्ला उर्फ लाला शुक्ला एडवोकेट ने किया ,कार्यक्रम का संचालन प्रध ानाचार्य नागेश कुमार शुक्ला ने किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार सुरेन्द्र पाण्डेय व संजय धर द्विवेदी विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार मंगला प्रसाद तिवारी, कृष्णचंद्र शुक्ला, मयंक शुक्ल आलोक शुक्ला रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबन्धक लाला शुक्ला (एडवोकेट), प्रधानाचार्य नागेश शुक्ला, सुमेश शुक्ला प्रभारी, कोआर्डिनेटर सीलू चतुर्वेदी, महेन्द्र विक्रम चन्द, चंद्रशेखर यादव, राम सनेही सिंह चौहान, सुग्गन लाल द्विवेदी, विनय तिवारी, प्रमोद वर्मा, मनोज कुमार, सानू शुक्ला, अरूण पाण्डेय, लकी पाण्डेय समेत सभी शिक्षक एवं विशाल मिश्रा, बलराम शुक्ला, शिवानन्द शुक्ला एडवोकेट, हरीकांत शुक्ला,दुर्गेश शुक्ला, सुभाष उपाध्याय, हिमांशु त्रिपाठी, अंशु द्विवेदी व सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे। उपस्थित सभी आगंतुकों व बच्चों ने भंडारे में भैरो बाबा का प्रसाद प्रेमपूर्वक ग्रहण किया ।।। विद्यालय के प्रबन्धक लाला शुक्ला एडवोकेट ने बताया कि आज अंतर्राष्ट्रीय छात्र दिवस है। 17 नवंबर को हर साल विश्व अंतर्राष्ट्रीय छात्र दिवस के तौर पर मनाता है। कई देशों में इस दिन को छात्रों के साथ ही शिक्षक भी उत्साह से मनाते हैं। छात्र और शिक्षक के बीच का रिश्ता आदिकाल से ही माता–पिता के रिश्ते से भी बढ़कर माना जाता है। विश्वामित्र और द्रोणाचार्य जैसे गुरु हुए तो एकलव्य और अर्जुन जैसे छात्र भी हुए। लेकिन आज के जमाने में ऐसे गुरु छात्रों का मिलना मुश्किल होता है। एक आदर्श छात्र बनाने के लिए गुरु यानी शिक्षकों को ही प्रयास करना पड़ता है। इंटरनेशनल स्टूडेंट्स डे दुनिया भर के स्टूडेंट्स के बीच बहुसंस्कृतिवाद, विविधता और सपोर्ट का उत्सव है।

आज अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस चेक रिपब्लिक देश की राजधानी प्राग के उन हजारों विद्यार्थियों की बहादुरी की याद में मनाया जाता है जो सन 1939 में उच्च शिक्षा के अधिकार के लिए नाजी सेना के खिलाफ चले गए थे। उस समय चेक रिपब्लिक (चेकोस्लोवाकिया) के कुछ हिस्सों पर नाजियों का राज था. उस समय प्राग के स्टूडेंट्स और वहां के अध यापकों ने नाजियों के खिलाफ एक प्रदर्शन किया. इस प्रदर्शन के दौरान नाजियों द्वारा चलाई गोलियों में एक स्टूडेंट की मृत्यु हो गयी. इसके बाद भी यह प्रदर्शन जारी रहा. 17 नवंबर, 1939 के दिन नाजी सैनिकों ने लगभग बारह सौ स्टूडेंट्स को गिरफ्तार किया था. जिनमें से नौ छात्रों को फांसी दे दी गयी थी. इसके बाद वहां के सभी शिक्षण संस्थानों को भी बंद कर दिया था. उन छात्रों की बहादुरी को याद रखने के लिए इस दिवस को मनाया जाता है.

अनोखी पहल में पतंजलि ऋषिकुल के छात्र–छात्राओं द्वारा अद्वितीय प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन

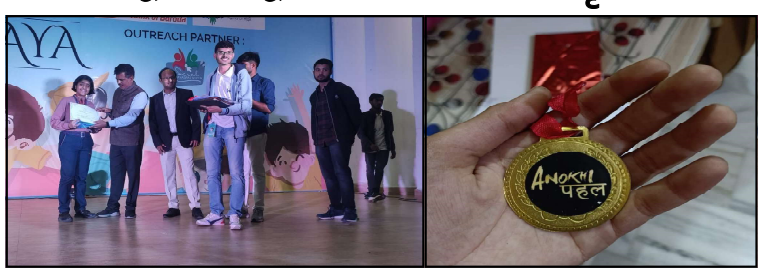

प्रत्येक बच्चे के पास कुछ अद्वितीय प्रतिभाएं होती हैं जिसे पहचानने विकसित करने और बढ़ावा देने की आवश्यकता होती है। पतंजलि ऋषिकुल के छात्रों ने 15 नवंबर, 2022 को एमएनएनआईटी परिसर में आयोजित इंटर–स्कूल कार्यक्रम श्अनोखी पहलश में भाग लिया। इस कार्यक्रम में प्रयागराज के कई प्रतिष्ठित स्कूलों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

रंग–बिरंगे परिधानों में सजे–ध ाजे छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। नृत्य, संगीत ,मोनो एक्टिंग, निबंध आदि के प्रतिभागियों ने जोरदार प्रदर्शन किया और कार्यक्रम में जोरदार जीत हासिल की। गायकों ने अपने एकल गीत को सुरीले अंदाज में गाकर दर्शकों का दिल जीत लिया।

विज्ञान प्रदर्शनी के छात्रों ने जूनियर और सीनियर दोनों श्रेणियों में श्प्रथम पुरस्कारश जीतकर स्कूल का नाम रोशन किया। पतंजलि ऋषिकुल के छात्रों ने वैदिक गणित श्रेणी में प्रथम पुरस्कार जीतकर एक बार फिर विद्यालय को गौरवान्वित किया है। हमारे स्कूल के छात्रों ने सुडोकू के लिए प्रथम पुरस्कार भी जीता। छात्रों ने पहेली, ड्राइंग और मोनो–एक्ट कार्यक्रमों में भी पुरस्कार प्राप्त किया । सोने पर सुहागा यह था कि स्पेल बी इवेंट के सभी पुरस्कार हमारे स्कूल के छात्रों के पास थे। जैसा कि रॉबर्ट फ्रॉस्ट ने कहा था ष्कविता तब होती है जब एक भावना को उसका विचार मिल जाता है और विचार को शब्द मिल जाते हैंष् हमारे छोटे उस्तादों ने कविता कार्यक्रम में वाहवाही बटोरी। हमारे एक छात्र ने द्वितीय पुरस्कार शतरंज प्रतियोगिता भी जीती।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि रचनात्मक गतिविधियाँ छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शन करने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। एमएनएनआईटी के कार्यक्रम श्अनोखी पहलश से हमारे छात्रों को कौशल दिखाने के लिए पर्याप्त अवसर मिला, जिससे उनकी व्यक्तिगत योग्यताओं को बढ़ावा।

S No	Name of the student	Class & Section	Event	Prize won
1.	Tushti Pandey	8B	Art	1st
2.	Rishi Yadav	8B	Puzzle	1st
3.	Harsh Yadav	10B	Puzzle	1st
4.	Ayush Pandey	11A	Puzzle	2nd
5.	Karuna Mishra	9A	Mono Act	2nd
6.	Harsh Yadav	10B	Vedic Maths	1st
7.	Azram Tanvir	11A	Sudoku	1st
8.	Anushka Vaishya	9B	Dance	1st
9.	Tupur	8C	Dance	3rd
10.	Pratishtha	6B	Dance	Special Mention
11.	Apoorva Singh	6A	Spell Bee	1st
12.	Shivansh	7C	Spell Bee	2nd
13.	Ekansh Srivastava	8A	Spell Bee	1st
14.	Shamika Tiwari	8B	Spell Bee	2nd
15.	Praduman Singh	8C	Spell Bee	3rd
16.	Mahi Agarwal	10A	Poetry	3rd
17.	Gauri Tripathi	8-B	Chess	2nd
18.	Junior Group	6 to 8	Science Exhibition	1st
19.	Senior Group	9 to 12	Science Exhibition	1st
20.	Hashmeet Kaur	9A	Singing	1st
21.	Siddharth Bhatt	11A	Singing	3rd
22.	Garv Chaurasia	6B	Singing	1st
23.	Pranjali Tiwari	7A	Singing	2nd
24.	Aradhya	9B	Essay	Special Mention

कोविशील्ड वैक्सीन का भंडार खत्म,

जिले में मंगलवार को कोविशील्ड वैक्सीन की डोज खत्म हो गई। कुछ केंद्रों पर बची वैक्सीन एक–एक कर लगाई जा रही थी, लेकिन अब वह भी नहीं रह गई। इसके साथ ही बच्चों को दी जाने वाली कार्बेवैक्स की भी डोज खत्म हो गई है। मांग भेजे जाने के बावजूद अभी तक शासन की ओर से न कोई सूचना आई है न ही कोई खेप। इससे अब टीकाकरण केंद्रों को समेटने की तैयारी कर ली गई है।

कोरोना संक्रमण के रक्षात्मक उपायों के तौर पर बूस्टर डोज अभी तक सिर्फ 50 प्रतिशत लोगों

को ही लगाई जा सकी है। इसके लिए व्यापक प्रचार–प्रसार के साथ चार वैक्सीनेशन केंद्रों पर बूस्टर डोज लगाई जा रही है। इस बीच मंगलवार को कोविशील्ड वैक्सीन पूरी तरह खत्म हो गई। कोविशील्ड वैक्सीन खत्म होने की वजह से मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज समेत अन्य टीकाकरण केंद्रों पर डोज लेने के लिए पहुंचे लोगों को वापस होना पड़ा।

कोविड प्रतिरक्षीकरण अभियान से जुड़े स्वास्थ्य विभाग के अफसरों की मानें तो 30 सितंबर तक बूस्टर डोज लगवाने की तिथि तय की गई थी। इस अवधि के बाद तक जो बची हुई डोज थी, वह लगवा दी गई। अब वैक्सीन पूरी तरह खत्म होने की वजह से केंद्रों से लोगों को वापस करना पड़ रहा है। शासन की ओर से बूस्टर डोज लगवाने के लिए न तो अवधि बढ़ाई जा रही है और न तो वैक्सीन की खेप ही भेजी जा रही है। इसके साथ ही 12 से 14 वर्ष तक के बच्चों को दी जाने वाली कार्बेवैक्स वैक्सीन की भी डोज खत्म हो गई है। इससे बच्चों का टीकाकरण भी ठप पड़ गया है। हालांकि पिछले माह को–वैक्सीन की 10 हजार जो डोज आई थी, वह अभी बची हुई है। लेकिन , ज्यादातार लोगों को कोविशील्ड लगी है। ऐसे में कोविलशील्ड खत्म होने से बूस्टर डोज नहीं लग पा रही है। इसके साथ ही मेडिकल कॉलेज,टीबी सप्रू अस्पताल, जिला महिला चिकित्सालय और आईएसआई अस्पताल नैनी में संचालित किए जा रहे वैक्सीनेशन केंद्रों को बंद करने की तैयारी कर ली गई है। वैक्सीन न होने से इन केंद्रों पर तैनात टीकाकरण कर्मियों को वापस बुला लिया जाएगा। 30 सितंबर तक बूस्टर डोज लगाने की तिथि निर्धारित थी। इस तिथि को बढ़ाया नहीं गया है। साथ ही कोविशील्ड की डोज खत्म हो चुकी है। बच्चों की भी खुराक नहीं है। ऐसे में नई खेप न आने तक वैक्सीनेशन को लेकर दिक्कतें हो सकती हैं। ऐसे में निजी केंद्रों पर बूस्टर डोज ली जा सकती है।

एसएसपी एडीजी से गुहार लगाने के बावजूद पीड़िता को नही मिला न्याय

प्रयागराज 17 नवम्बर, थाना करछना अंतर्गत ग्रामसभा सेमरी मजरा तालुका का पुरवा निवासिनी दलित विध वा चंदो देवी पत्नी स्व. रामअभिलाष दो सप्ताह पूर्व वरिष्ठ एडीजी व पुलिस अधीक्षक से मिलकर अपना दुखड़ा रोया था। एडीजी व कप्तान साहेब ने क्षेत्राधि काारी करछना को जांच सौपी थी किन्तु क्षेत्राधिकारी व थानाध्यक्ष करछना विपक्षीगणो से सांठगांठ करने की वजह से अभी तक कोई सकारात्मक कार्यवाही नहीं की। नाराज दलित विधवा कार्यालय एडीजी जोन प्रयागराज के समक्ष शुक्रवार 18 नवम्बर से आमरण अनशन करने की घोषणा की है।

पीड़िता चंदो देवी ने आरोप लगाया है कि स्थानीय करछना थाने की पुलिस दबंगो से मिली हुई है इसलिए दबंगो के विरुद्ध कोई कार्यवाही नही हो रही है। पीड़िता का कहना है कि एडीजी जोन व एसएसपी के जांच आदेश पर दो सप्ताह बीत जाने के बावजूद कोई कारगर कार्यवाही न होने के कारण आमरण अनशन करने को मजबूर है। पीड़िता का कहना है कि उक्त प्रकरण को लेकर विपक्षीगणो के विरुद्ध कार्यवाही हेतु तीन बार प्रार्थना पत्र एडीजी व एसएसपी प्रयागराज को दी जा चुकी है किन्तु विपक्षीगणो के विरुद्ध अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है।

मोदी जी के नेतृत्व में भारत और विश्व का मार्गदर्शन करेंगा (दिगंबर त्रिपाठी)

भारतीय जनता पार्टी के द्वारा शहरारा बाग दुर्गा मंदिर में नगर निकाय चुनाव के संदर्भ में बैठक आयोजित की गई बैठक के मुख्य वक्ता भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व पार्षद दिगंबर त्रिपाठी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि मोदी के नेतृत्व में आज भारत का परचम पूरी दुनिया में फैल रहा है और यह हर देशवासियों के लिए गर्व का विषय है कि आज भारत जी20 देशों की अध्यक्षता करते हुए दुनिया का मार्गदर्शन करेगा इस अवसर पर मंडल के प्रभारी देवेंद्र मिश्रा एवं मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने कहा कि भाजपा का मिशन राष्ट्र का विकास भाजपा का मिशन संस्कृति का संरक्षण और भारतीय जनता पार्टी का विजन है अपने महापुरुषों के सपनों को पूरा करना और एक मजबूत भारत का निर्माण करना इसके लिए हमें हर वार्ड को जीतना होगा बैठक की अध्यक्षता मंडल संयोजक अजय मोदी के नेतृत्व में पूरी अग्रहरी ने किया संचालन लव कुश केसरवानी ने किया बैठक में मुख्य रूप से प्यारेलाल जायसवाल, आलोक वैश्य किशन चंद्र जायसवाल, सत्या जायसवाल, आशीष जायसवाल, पार्षद कुसुम लता गुप्ता, मालती केसरवानी गोपाल पाठक अर्चना केसरवानी,आर्यन सक्सेना, इशान पाठक सुमित कुमार, विजय श्रीवास्तव, अनिल कुमार, अनिल गौड़, पदमाकार श्रीवास्तव, दिलीप चौधरी, कमलेश, , रजनीश श्रीवास्तव, हरीश मिश्रा, आदि रहे

संविधान दिवस पर संविधान मेला 26 नवम्बर को संविधान दिवस के सम्मान में कैंडिल मार्च 26 नवम्बर को

प्रयागराज 17 नवम्बर, संविध ान के अनुच्छेद–17 अस्पृश्यता व छूआछूत मुक्त भारत देश बनाने, संविधान के अनुच्छेद–15 जातिविहीन भारत देश का निर्माण करने व संविधान के अनुच्छेद 39 (ख) जमीन और उद्योगों के राष्ट्रीयकरण के साथ साथ संविधान के अनुच्छेद–13 रूढ़िवादी प्रथा को समाप्त करते हुये वैज्ञानिक सोच पर आधारित समाज निर्माण करने हेतु एक ओर जहां संविधान दिवस (26 नवम्बर 1949) की 73 वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर हाईकोर्ट स्थित डा. अम्बेडकर मूर्ति स्थल पर दिनांक 26 नवम्बर 2022 को पूर्वाह्न 11 बजे से संविधान मेला व संविधान महोत्सव–2022 का आयोजन डा. अम्बेडकर क्लब, डा. अम्बेडकर वेलफेयर एसोसिएशन (दावा), देवपती मेमोरियल ट्रस्ट और प्रबुद्ध फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाव धान में किया जा रहा है तो वहीं संविधान दिवस के सम्मान में हाईकोर्ट स्थित डॉ. अम्बेडकर मूर्ति स्थल से पत्थर चर्च गिरजाघर, सुभाष चौराहा, पीडी टण्डन पार्क से अपने उद्गम स्थल तक शांतिपूर्ण ढंग से कैंडिल मार्च का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डा. अम्बेडकर वेलफेयर एसोसिएशन (दावा) के अध्यक्ष उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आईपी रामबृज ने बताया कि पच्चासी प्रतिशत बहुजन समाज जब तक अपने अधि ाकारों का उपयोग संगठित होकर सत्ता हासिल करने के लिए नहीं करेगा तब तक अप्रत्यक्ष रूप से अंधविश्वास, पाखण्ड और कुरीतियों के मकड़जाल रूपी गुलामी की व्यवस्था से बाहर नहीं निकल पायेगा। इसलिए बहुजन समाज को सत्ता प्राप्ति के लिए संघर्ष करना होगा और इस हेतु जो भी सामाजिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक रूप से संघर्ष कर रही संस्थाएं व संगठन है उनका साथ देना होगा। अगर साथ नहीं दे सकते तो उनकी संघर्षमय राहों में टीका टिप्पड़ी या टांग खिंचाई करके बाधा न बने क्योंकि ऐसी संस्थाएँ व संगठन अप्रत्यक्ष रूप से बहुजनों के हिस्से व उनके मान, सम्मान व स्वाभिमान के साथ साथ उनके हक अधि ाकारों के लिये संघर्ष कर रहे है। दावा अध्यक्ष ने बहुजन समाज के सेवारत एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों, कर्मचारियों से अनुरोध किया कि सेवा के साथ साथ जो अधिकारी, कर्मचारी अपने परिवार के साथ व्यस्त है उनका समाज के व उनके अनुज जो आज हासिये पर है वे अपने अनुज व समाज के लिये वक्त नहीं निकाल पा रहे है। समाज का कोई व्यक्ति यदि उन्हें निःस्वार्थ भाव से मुख्यधारा में लाने के लिए उन्हें अंधविश्वास, पाखण्ड और कुरीतियों से मुक्त कराकर विज्ञानवाद और डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर द्वारा प्रदत्त संविधानिक अधिकारों के विषय मे कैडर के माध्यम से जागरूक कर रहा है तो उसकी टांग खिंचाई के बजाय उसकी हर प्रकार से मदद करनी चाहिये।

कर्मचारी की मौत पर उसके आश्रित मुआवजा पाने के अधिकारी हैं या नहीं

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से पूछा है कि वह कोर्ट को बताए कि जो कर्मचारी कोविड–19 की ड्यूटी में लगा रहा हो और बाद में उसका तबादला होने के बाद मौत हो जाती है तो वह सरकार की ओर से जारी मुआवजा पाने के शासनादेश का लाभ पाने का हकदार है कि नहीं। कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के लिए 30 नवंबर 2022 की तिथि निर्धारित की है।

यह आदेश जस्टिस सिद्धार्थ वर्मा तथा जस्टिस चंद्र कुमार राय की खंडपीठ ने मृतक की पत्नी तारा तिवारी तथा दो अन्य की तरफ से दाखिल याचिका पर पारित किया है। याचिकाकर्ताओं की तरफ से अधिवक्ता आलोक कुमार यादव का कहना था कि किसी भी कर्मचारी को केवल इस आधार पर 22 जून 2021 के शासनादेश के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता कि कर्मचारी की मौत के समय वह कोविड–19 से हटाकर अलग ड्यूटी पर लगाया गया था।

याचिका के अनुसार मृतक रमेश चंद्र तिवारी की पत्नी तारा तिवारी ने कोविड–19 में हुई पति की मौत के बाद लाभ पाने के लिए याचिका दाखिल की है। 22 जून 2021 को जारी शासनादेश में यह शर्त है कि मृतक कर्मचारी मृत्यु के समय कोविड–19 से संबंधित सेवा में लगा रहा हो। याचिका में कहां गया कि याची का पति वाराणसी जिले के सदर तहसील में संग्रह अमीन के पद पर कार्यरत था। उसकी ड्यूटी कोविड–19 में लोगों की सहायता तथा दवा आपूर्ति के काम में लगाई गई थी। उसने यह काम 4 अक्तूबर 2020 तक किया। कहा गया कि याची के पति की ड्यूटी 5 अक्तूबर 2020 से बिजली विभाग में संभावित हड़ताल के मद्देनजर लगा दी गई। 12 अक्तूबर 2020 को याची के पति को कोरोना से संक्रमित पाया गया था। बाद में कोरोना से उसकी मौत हो गई। विभाग ने याची को मुआवजा देने से इस आधार पर इन्कार कर दिया कि मौत के समय याची की ड्यूटी कोविड–19 से संबंधित काम में नहीं थी।

सम्पादकीय

सियांग नदी को चीन से खतरा, किराने बसे लोगों की आशंकाएं और भय के कारण

पिछले एक हफ्ते से जैसे ही सियांग नदी का पानी मटमैला होना शुरू हुआ, उसके किनारे बसे लोगों में आशंका और भय समा गया है। पहले भी जब–जब नदी का पानी गंदला हुआ, इस तेज गति वाली नदीं में ऊंची–ऊंची लहरें उठीं और सैकड़ों लोगों के खेत–घर उजड़ गए। इससे पहले अक्तूबर–2017, दिसंबर–2018 और वर्ष 2020 में भी इस नदी का पानी पूरी तरह काला हो गया था और इसका खामियाजा यहां के लोगों को महीनों तक उठाना पड़ा था।

सियांग नदी का उद्भव पश्चिमी तिब्बत के कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील से दक्षिण–पूर्व में स्थित तमलुंग त्सो (झील) से हुआ है। तिब्बत में 1,600 किलोमीटर के रास्ते में इसे यरलुंग त्संगपो कहते हैं। भारत में दाखिल होने के बाद इसे सियांग नाम से जाना जाता है। आगे 230 किलोमीटर का सफर तय करने के बाद यह लोहित नदी से जुड़ती है। अरुणाचल के पासीघाट से 35 किलोमीटर नीचे उतरकर यह दिबांग नदी से जुड़ती है। फिर यह ब्रह्मपुत्र में परिवर्तित हो जाती है।

सियांग नदी में उठती रहस्यमयी लहरों के कारण लोगों में भय व्याप्त हो जाता है। आम लोग इसके पीछे चीन की साजिश मानते हैं। सभी जानते हैं कि चीन अरुणाचल प्रदेश के बड़े हिस्से पर दावा करता है और यहां वह आए दिन कुछ–न–कुछ हरकतें करता रहता है। इसी साल एक नवंबर की रात सियांग से तेज आवाजें आने लगीं और देखते ही देखते नदी का पानी गहरा काला और गाढ़ा हो गया। नदी का पानी पीने के लायक भी नहीं रहा। वहां मछलियां भी मर रही हैं।

नदी के पानी में सीमेंट जैसा पतला पदार्थ होने की बात जिला प्रशासन ने अपनी रिपोर्ट में कही थी। सनद रहे, सियांग नदी के पानी से ही अरुणाचल प्रदेश की प्यास बुझती है, तब संसद में भी इस पर हल्ला हुआ था। चीन ने कहा था कि उसके इलाके में 6.4 तीव्रता वाला भूकंप आया था, संभवतया यह मिट्टी उसी के कारण नदी में आई होगी। हालांकि भूगर्भ वैज्ञानिकों के रिकॉर्ड में ऐसा कोई भूकंप उस दौरान चीन में महसूस नहीं किया गया था।

सियांग नदी में यदि कोई गड़बड़ होती है, तो अरुणाचल प्रदेश की बड़ी आबादी का जीवन संकट में आ जाता है। पीने का पानी, खेती, मछली–पालन सभी कुछ इसी पर निर्भर हैं। सबसे बड़ी बात सियांग में प्रदूषण का सीधा असर ब्रह्मपुत्र जैसी विशाल नदी और उसके किनारे बसे सात राज्यों के जनजीवन व अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। असम के लखीमपुर जिले में पिछले साल आई कीचड़ का असर आज भी देखा जा रहा है। वहां के पानी में आज भी आयरन की मात्रा सामान्य से अधिक पाई जा रही है।

तिब्बत में यारलुंग सांगपो (सियांग) नदी को शिनजियांग प्रांत के ताकलीमाकान की ओर मोड़ने के लिए चीन दुनिया की सबसे लंबी सुरंग के निर्माण की योजना पर काम कर रहा है। हालांकि सार्वजनिक तौर पर चीन ऐसी किसी योजना से इनकार करता रहा है। पर यह बात किसी से छिपी नहीं है कि चीन ने इस नदी को जगह–जगह रोककर यूनान प्रांत में आठ जल–विद्युत परियोजनाएं शुरू की हैं, क्योंकि इस नदी का सारा प्रवाह नियंत्रण चीन के हाथ में है। मई–2017 में चीन भारत के साथ सीमावर्ती नदियों की बाढ़ आदि के आंकड़े साझा करने से इनकार कर चुका है। वह जो आंकड़े हमें दे रहा है, वह किसी काम का नहीं है। वैसे यह भी सच है कि जलवायु परिवर्तन को लेकर हिमालय के ऊपरी हिस्से सर्वाधिक संवेदनशील हैं और इसका असर वहां से निकलने वाली नदियों पर तेजी से पड़ रहा है। भले ही चीन के वादों के आधार पर केंद्र सरकार भी कहे कि चीन अरुणाचल प्रदेश से सटी सीमा पर कोई खनन कार्य नहीं कर रहा है। लेकिन हांगकांग से प्रकाशित साउथ चाइन मार्निंग पोस्ट की 2018 की रिपोर्ट बताती है कि अरुणाचल सीमा से सटे क्षेत्र में वह खनन कार्य कर रहा है, क्योंकि उसे स्वर्ण अयस्क के करीब 60 अरब डॉलर के भंडार मिले हैं। इसलिए सियांग नदी के पानी के मटमैले होने या ऊंची होने के पीछे चीन की हरकतें हो सकती हैं। केंद्र सरकार को चीन की गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए, वर्ना जल प्रलय का असर परमाणु बम से भी भयंकर होगा।

भारत को अलग-थलग करने की कोशिश और परियोजनाओं के बहाने रणनीतिक साझेदारी के मायने

वैश्विक परिदृश्य पर क्या चीन अपने धनबल का प्रयोग कर भारत को राजनयिक दृष्टि से अलग–थलग करने की कोशिशों में लगा हुआ है? यह प्रश्न फिलहाल राजनयिक गलियारों में बड़ी तेजी से घूम रहा है। जानकार सूत्रों के अनुसार, चीन के साथ भारत का सीमा संघर्ष पश्चिम एशिया में दो एशियाई शक्तियों के बीच व्यापक टकराव में फैल रहा है। मसलन, पश्चिम एशिया की एक और क्षेत्रीय शक्ति और खास क्षेत्रीय खिलाड़ी तुर्किये के साथ भारत के संबंध कश्मीर पर पाकिस्तान का पक्ष लेने के कारण खराब हो गए हैं।

कश्मीर में भारत विरोधी प्रभाव अभियानों को बढ़ावा देने में एक और दुबई बनने के बाद तुर्किये जल्द ही भारतीय रणनीतिकारों के लिए एक और सिरदर्द पैदा कर सकता है। कश्मीर पर एक–दूसरे के साथ मतभेद होने के अलावा, तुर्किये और भारत अजरबैजान और आर्मीनिया के बीच संघर्ष में विपरीत पक्षों का समर्थन कर रहे हैं। तुर्किये और पाकिस्तान विश्व मंच पर एक साथ आगे बढ़ रहे हैं, जैसा कि कश्मीर पर उनके इसी तरह के बयानों से देखा गया है। विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण के दौरान तुर्किये के राष्ट्रपति अर्दोआन द्वारा कश्मीर पर विचार करने की बात पर पलटवार किया था।

दूसरी ओर हाल ही के महीनों में चीन के साथ तुर्किये के संबंधों में सुधार हुआ है। कोविड–19 महामारी के कारण आसमान छूते बजट घाटे के कारण तुर्किये निवेश और विदेशी मुद्रा भंडार के लिए चीन की ओर रुख कर रहा है। जून में तुर्किये ने 2019 में हस्ताक्षरित एक करोड़ डॉलर मुद्रा स्वैप व्यवस्था के तहत चीन के केंद्रीय बैंक द्वारा दी गई 40 करोड़ डॉलर की वित्त पोषण सुविधा का उपयोग किया। तुर्किये ट्रांस–यूरेशियन कनेक्टिविटी के लिए बिल्डिंग ऐंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) की महत्वाकांक्षा के एक केंद्रीय घटक के रूप में भी नजर आ रहा है, जो परिवहन, रसद, ऊर्जा और दूरसंचार क्षेत्रों में बड़े चीनी निवेश को आकर्षित कर रहा है।

इसके अलावा चीन अपने शिनजियांग क्षेत्र के मूल निवासी तुर्क मुस्लिम उइगरों के लिए अंकारा के समर्थन को बेअसर करने में सफल रहा है। हाल के महीनों में तुर्किये में उइगर शरणार्थियों ने तुर्किये के अधिकारियों द्वारा बढ़ते उत्पीड़न का सामना करने की सूचना दी है। चीन के साथ भारत के बदलते भू–राजनीतिक समीकरण नई दिल्ली के लिए न केवल हिंद–प्रशांत क्षेत्र में– जिसे एशिया प्रशांत भी कहा जाता है– बल्कि पश्चिम एशिया में भी अमेरिका के साथ अधिक निकटता से गठबंधन करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। नई दिल्ली को चीन के खिलाफ अपने संघर्ष में इच्छुक क्षेत्रीय भागीदारों को खोजने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है।

पश्चिम एशिया में भारत की हालिया परेशानियां कम से कम कुछ हद तक पूरे क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव से उपजी हैं। अमेरिकन एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट (एईआई) के चाइना ग्लोबल इन्वेस्टमेंट ट्रैकर के अनुसार 2005 और 2019 के बीच चीन ने पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका में 5,500 करोड़ डॉलर से अधिक का निवेश किया। एडडेटा रिसर्च लैब के आंकड़ों के अनुसार, 2004 और 2014 के बीच चीन ने इस क्षेत्र में लगभग 4,280 करोड़ डॉलर की वित्तीय सहायता दी। क्षेत्र के कई देशों के लिए चीन उनका शीर्ष व्यापारिक भागीदार है और प्रौद्योगिकी का एक प्रमुख स्रोत है।

बात सिर्फ तुर्किये तक ही सीमित नहीं है। ईरान पर भी नजर रखना जरूरी है। यह संकेत इस बात से मिलता है कि चीन के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी का ढोल पीटते हुए ईरान ने चाबहार बंदरगाह को अफगानिस्तान से जोड़ने वाली एक रेलवे परियोजना में भारत की संभावित भूमिका को स्पष्ट रूप से रद्द कर दिया है। ईरान एक ऐसा क्षेत्रीय खिलाड़ी है, जहां भारत का प्रभाव चीन के पक्ष में घटता नजर आ रहा है। चीन के साथ ईरान की व्यापक रणनीतिक साझेदारी समझौते की खबर जनता के सामने जाहिर होने के कुछ दिनों बाद ही ईरान ने एक रेलवे लिंक के निर्माण की पहल की। यह लिंक ईरान के चाबहार बंदरगाह को अफगानिस्तान के जेरंज प्रांत से जोड़ती है। इससे भारत को परियोजना में भाग लेने के लिए आमंत्रित किए जाने की बची–खुची उम्मीद भी जाती रही। यहां यह जानना जरूरी है कि भारत ने चाबहार बंदरगाह को रणनीतिक संपत्ति के रूप में पेश किया है, जहां उसने 10 साल की अवधि में 15 करोड़ डॉलर तक का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है, जो अन्य बातों के अलावा, हिंद–प्रशांत में चीन की श्मोतियों की मालाश को टक्कर देने और ग्वादर में पाकिस्तान के चीन निर्मित बंदरगाह के साथ प्रतिस्पर्धा करने में मदद करेगा।

गौरतलब है कि चाबहार बंदरगाह ग्वादर से महज 200 किलोमीटर की दूरी पर है। तेहरान के इस कदम के वास्तविक कारण को नई दिल्ली में राजनयिक विशेषज्ञों ने ईरान पर चीन के बढ़ते प्रभाव से निरूपित किया। उनका कहना है कि चीन ने चुपचाप काम करते हुए उन्हें एक बेहतर सौदे की पेशकश की। सितंबर, 2019 के बाद से तुर्किये ने चीन के प्रमुख सहयोगी पाकिस्तान और मलयेशिया के साथ मिलकर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू और कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द करने के भारत के फैसले की निंदा की है।

भारत ने सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के मौके पर अंकारा के क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों के साथ कूटनीतिक रूप से बातचीत करके तुर्किये से नौसैनिक जहाजों की खरीद के लिए 232 करोड़ डॉलर के अनुबंध को रद्द कर दिया था और तुर्किये के प्रतिद्वंद्वी आर्मीनिया को सैन्य रडार के साथ आपूर्ति करने के लिए चार करोड़ डॉलर की बोली हासिल की थी। जैसा कि अमेरिका के अनुभव से पता चलता है, नई दिल्ली को पश्चिम एशिया में चीन के साथ अपने व्यापक टकराव में इच्छुक भागीदारों को खोजने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

उनके शीर्ष सुरक्षा साझेदार होने के बावजूद वाशिंगटन ने इस्राइल और खाड़ी राजशाही को चीन से दूर रहने से रोकने के लिए संघर्ष किया है, जिसे वे निवेश, प्रौद्योगिकी और हथियारों के क्षेत्रों में एक आकर्षक भागीदार के रूप में देखते हैं। यद्यपि भारत के इस्राइल और खाड़ी राजतंत्रों के साथ घनिष्ठ संबंध हैं– और 2014 में मोदी के पदभार संभालने के बाद से संबंधों में काफी सुधार हुआ है –यह चीन के साथ अधिक सहयोग के लिए उनकी भूख को रोकने में अमेरिका की तुलना में अधिक सफल साबित होने की संभावना नहीं है।

मनचाहे रिश्तों ने नई तरह की असामाजिकता, असुरक्षा और अपराध के आंकड़े बढ़ाए

आज की जीवन–शैली में अपनाए जा रहे मनचाहे रिश्तों ने नई तरह की असामाजिकता, असुरक्षा और अपराध के आंकड़े बढ़ाए हैं। राजधानी दिल्ली में मुंबई की एक लड़की के साथ हुआ वीभत्स अपराध इसी की बानगी है। दिल दहलाने वाली इस घटना में लंबे समय तक साथ रहने के बाद पीड़िता द्वारा शादी के लिए दबाव बनाने पर लिव–इन पार्टनर ने अपनी 26 वर्षीय साथी की न केवल बेरहमी से गला घोंटकर हत्या कर दी, बल्कि उसके शव के टुकड़े–टुकड़े कर जंगल में फेंक दिया। बेटी का फोन नंबर बंद रहने और उसकी कोई खबर न मिलने पर पिता ने एफआईआर दर्ज करवाई, तो हत्या के पांच महीने बाद इस हत्याकांड का खुलासा हुआ।

यह कटु सच है कि लिव–इन संबंधों में आए दिन घरेलू हिंसा, मौखिक दुर्व्यवहार और बर्बरता से हत्या के मामले सामने आते हैं। हाल ही में जोधपुर में भी लिव–इन में रह रहे साथी को नशा करने पर रोकने–टोकने के चलते पार्टनर ने गुस्से में गला दबाकर लड़की की जान ले ली थी। कुछ दिन पहले दिल्ली में ही एक और महिला की लिव–इन पार्टनर द्वारा हत्या कर लाश को हाइवे पर फेंकने की घटना सामने आई। पिछले महीने मध्य प्रदेश के शिवपुरी में लिव–इन रह रही महिला ने साथ रहने से मना किया, तो पार्टनर ने पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी। ऐसी घटनाओं के समाचार देश के कोने–कोने से आते रहते हैं।

मौजूदा दौर में लिव–इन रिलेशनशिप से उपजी असुरक्षा इतनी बढ़ गई है कि कई बार न्यायालय द्वारा भी ऐसे रिश्तों पर तीखी टिप्पणी की गई है। बीते दिनों यौन उत्पीड़न के मामले की सुनवाई करते हुए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर पीठ ने लिव–इन संबंधों को अभिशाप बताते हुए उसे नागरिकों के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सांविधानिक गारंटी का बाई–प्रोडक्ट बताया था। दरअसल, लिव–इन रिश्तों में असुरक्षा और अपूर्णता हमेशा से बनी हुई है। एक–दूसरे का साथ पाकर भी सहजीवन के रिश्ते में भीतर के खालीपन और भय का माहौल हमेशा बना रहता है।

ऐसे अधिकतर रिश्तों का कोई भविष्य नहीं होता। कुछ समय पहले ऑरमैक्स मीडिया द्वारा भारत के 40 शहरों में युवाओं को लेकर किए गए एक अध्ययन में 72 फीसदी युवाओं ने माना कि लिव–इन रिलेशनशिप विफल रहते हैं। मनोवैज्ञानिक रूप से भी सहजीवन के रिश्ते में भावनात्मक धरातल पर रिक्तता ही देखने को मिलती है। ऐसी बर्बर घटनाएं ऐसे ही रीतेपन का नतीजा हैं। यही वजह है कि कुछ समय पहले उच्चतम न्यायालय ने लिव–इन रिलेशनशिप को शादी का दर्जा देने की बात कही थी, ताकि सामाजिक और पारिवारिक ताने–बाने से दूर कानूनी नियमों के जरिये ही सही इन संबंधों को स्थिरता और सुरक्षा दी जा सके।

आज के युवा–युवतियों के लिए यह समझना जरूरी है कि बिना जवाबदेही वाले लिव–इन संबंधों में विवाह संस्था जैसी भावनात्मक, सामाजिक और पारिवारिक सुरक्षा मिल पाना मुश्किल ही है। ऐसा नहीं है कि शादी के रिश्ते में सब सहज ही रहता है, पर दायित्वबोध और पारिवारिक जुड़ाव का भाव एक मजबूत पृष्ठभूमि बनकर मन जीवन को थामता है। वैवाहिक संबंधों से जुड़ी सामाजिक स्वीकार्यता सुरक्षा और संबल देती है। सहजीवन के संबंधों में कोई बंधन नहीं होता, तो जिम्मेदारी का भाव भी नहीं होता है। कई मामलों में तो इन संबंधों की शुरुआत ही शोषण के इरादे से की जाती है। अफसोस कि सहजीवन के रिश्ते में भी लड़कियां ही ज्यादा ठगी जाती हैं।

वे अपने लिव–इन पार्टनर की अपेक्षा इन संबंधों को लेकर अधिक संवेदनशील होती हैं। एक समय के बाद अपने रिश्ते के भविष्य को लेकर आशंकित होने पर वे शादी कर घर बसाने के बारे मे सोचने लगती हैं। इन संबंधों में कितनी ही महिलाएं लिव–इन साथी द्वारा यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग का शिकार बनकर चुप्पी साध लेती हैं। यही नहीं, इन संबंधों में जन्मे बच्चों की जिम्मेदारी और सुरक्षा भी लंबे समय से बहस का मुद्दा बनी हुई है। इसलिए जरूरी है कि व्यक्तिगत पसंद के मुताबिक जीने की इच्छा रखने वाली लड़कियां न केवल प्रेम के सही मायने समझें, बल्कि अपने भविष्य और सुरक्षा के बारे में भी सोचें, अन्यथा कभी–कभी अपने ही निर्णय भारी पड़ जाते हैं।

झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक

पुलिस को मिली आफताब की पांच दिन की कस्टडी, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई सुनवाई

श्रद्धा वाकर के कातिल आफताब की साकेत कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई हो गई है। कोर्ट ने पुलिस को आफताब अमीन पूनावाला की पांच दिन की कस्टडी सौंप दी है।

श्रद्धा वॉकर के कातिल आफताब अमीन पूनावाला की थोड़ी देर में साकेत कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरीये पेशी की जाएगी।

श्रद्धा वाकर के कातिल आफताब को थोड़ी देर में साकेत कोर्ट में पेश किया जाएगा। वहां इस मामले में सुनवाई की जाएगी।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी बहुत ही तेज दिमाग का है। वह फर्राटेदार अंग्रेजी बोलता है। वह सोच–समझकर हर बात कर जवाब देता है। इस बीच मृतका के शव के टुकड़े बरामद करने में जुटी पुलिस को बुधवार को भी श्रद्धा का सिर व धड़ नहीं मिला है।

बहुचर्चित श्रद्धा वालकर हत्याकांड के आरोपी आफताब अमीन पूनावाला ने एक और नया खुलासा किया है। आरोपी आफताब श्रद्धा से पीछा छुड़ाना चाहता था। श्रद्धा और आफताब के बीच आए दिन छोटी–छोटी बातों पर झगड़ा होता था।दिल्ली पुलिस सूत्र का कहना है कि श्रद्धा हत्याकांड में आरोपी आफताब ने पुलिस के सामने कबूल किया कि पहचान छिपाने के लिए उसने श्रद्धा के शव के टुकड़े करने के बाद उसका चेहरा जला दिया था। उसने यह भी कबूल किया कि उसने हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने के तरीके इंटरनेट पर सर्च किए थे।

पुलिस अब कूड़े वाली जगहों पर श्रद्धा के शरीर के टुकड़े खोजने में लगी है। पुलिस ने कूड़ा फेंकने वाली दो जगहो को चिन्हित किया है।

श्रद्धा हत्याकांड के मामले की जांच में जुटी दिल्ली पुलिस सबूत तलाशने के लिए छतरपुर वन क्षेत्र पहुंची है। कल भी पुलिस जंगल में पहुंची थी। कल पुलिस को कुछ हाथ नहीं लगा था।

श्रद्धा के पिता विकास वाकर ने कहा कि आफताब शातिर है और पिछले 5–6 महीने में सबूत मिटा चुका है। ऐसे में पुलिस को सच्चाई सामने लाने में थोड़ी दिक्कत होगी। मैं तब तक चौन से नहीं बैठूंगा जब तक आफताब को मौत की सजा नहीं दी जाती।

श्रद्धा के पिता विकास वाकर ने एएनआई से कहा कि दिल्ली पुलिस को आभास हो गया था कि आफताब कभी झूठ बोलता है और कभी सच बोलता है। इसलिए उन्होंने नार्को टेस्ट के लिए आवेदन किया। मुझे लग रहा है कि मुझे न्याय मिलने वाला है। अगर उसने अपराध किया है, तो उसे फांसी दी जानी चाहिए। मुझे हमेशा लगा कि वह झूठ बोल रहा है, मैंने मुंबई और दिल्ली पुलिस से कहा था।

आरोपी ने खुलासा किया कि श्रद्धा की हत्या करने के बाद उसने शव को बाथरूम में रखा। इसके बाद वह आरी लेकर आया था। आरोपी ने खाना मंगाया और शव के साथ ही बैठकर खाना खाया था।

बहुचर्चित श्रद्धा वालकर हत्याकांड के आरोपी आफताब अमीन पूनावाला ने एक और नया खुलासा किया है। आरोपी आफताब श्रद्धा से पीछा छुड़ाना चाहता था। श्रद्धा और आफताब के बीच आए दिन छोटी–छोटी बातों पर झगड़ा होता था। दिल्ली में भी झगड़ा होता था। झगड़ा होना मुंबई में शुरू हो गया था। आरोपी ने पूछताछ में खुलासा किया है कि वह हर रोज के झगड़े से परेशान हो गया था। इसी वजह से वह श्रद्धा से पीछा छुड़ाना चाहता था।

10रू55 ।ड, 17–छव्ट–2022सूत्रों के अनुसार हत्या के बाद आफताब ने खून के धब्बों को साफ करने के लिए बहुत सारे पानी का इस्तेमाल किया, जिसके कारण पानी का बिल ज्यादा आया और बिल लंबित हो गया। पुलिस को जानकारी मिली है कि आफताब और श्रद्धा पर 300 रुपये का पानी का बिल बकाया है। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि आफताब नियमित रूप से बिल्डिंग की पानी की टंकी की जांच करने जाता था।

मुंबई की युवती श्रद्धा वाकर की हत्या के मामले में दिल्ली पुलिस की जांच में एक और सनसनीखेज खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस की जाचं में छतरपुर के जिस फ्लैट में आरोपी आफताब अमीन पूनावाला ने श्रद्धा का कत्ल किया, उस फ्लैट का पानी का बिल भी जांच में अहम सबूत बनेगा।

बहुचर्चित श्रद्धा वालकर हत्याकांड के आरोपी आफताब अमीन पूनावाला को दिल्ली पुलिस आज साकेत कोर्ट में पेश करेगी और उसकी आगे की हिरासत की मांग करेगी। पुलिस सारे साक्ष्य जुटा रही है। उन्हें जानकारी मिली है कि आफताब और श्रद्धा का 300 रुपये का पानी का बिल बकाया है।

आप चुनाव जीतने पर चलाएगी श्बी इंडियन अडॉप्ट इंडियन कैंपेन इस विषय पर करेगी जागरूक

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि एमसीडी की सत्ता में आने पर श्आपश बी इंडियन, अडॉप्ट इंडियन कैंपेन चलाएगी। जिसके तहत लोगों को देसी नस्ल के स्ट्रीट डॉग्स को एडॉप्ट करने के लिए जागरूक किया जाएगा। एनजीओज के साथ मिलकर ये कैंपेन चलाएंगे।

गुरुवार को नेता प्रतिपक्ष और चार्जशीट कमेटी भाजपा के संयोजक रामवीर सिंह बिधूड़ी ने चार्जशीट कमेटी के अन्य सदस्यों के साथ अरविंद केजरीवाल की सरकार के खिलाफ जनता की चार्जशीट जारी की।

वहीं, भाजपा नेता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि एमसीडी का इलेक्शन आते ही 3–3 खोखे में नगर निगम के टिकट बेच रही है। ये आरोप बीजेपी नहीं लगा रही। ये आरोप आप में बैठे लोग लगा रहे हैं। एक विधायक के साले के पास से 33 लाख रुपये नकद बरामद होते हैं। ये कौन सी शुचिता की राजनीति है। आज दिल्ली ही नहीं गुजरात, हिमाचल समेत अन्य हिस्सों की जनता सवाल कर रही है कि लाखों रुपया कहां से आता–जाता है।

भाजपा नेता हरीश खुराना ने कहा कि तीन दिन पहले एक कार्यकर्ता टावर पर खड़े होकर आरोप लगाया कि उनसे पैसे लिए गए। इस पर कुछ नहीं बोलेंगे। इन पर पंजाब विधानसभा चुनाव के दौरान भी टिकट बेचने के आरोप लगे हैं। इनके अपने कार्यकर्ता भी कह रहे हैं। अखिलेशपति त्रिपाठी पर पहली बार आरोप नहीं लगे। कोर्ट ने भी दोषी ठहराया है। सजा का इंतजार कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल अखिलेश पति त्रिपाठी और राजेश गुप्ता को आम आदमी पार्टी से बर्खास्त करें।

हरीश खुराना ने कहा कि वो आरोपी नंबर 1 माने जाते हैं। उन पर आरोप है कि दिल्ली सरकार के स्कूलों में कमरों के निर्माण में घोटाला किया। हवाला के आरोप में मंत्री बंद है। बस में घोटाला कर दिया। लेबर को पैसा देने के नाम पर करोड़ों रुपये का गबन कर लिया। सर्टिफिकेट ईमानदारी का बांटा जा रहा है।

वहीं, भाजपा नेता हरीश खुराना ने आम आदमी पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि कट्टर आम आदमी पार्टी के कट्टर ईमानदार विधायक की पेशी एंटी करप्शन ब्यूरो में है। भ्रष्टाचार का सबूत सामने आने के बावजूद जिस तरह मनीष सिसोदिया ने अखिलेश पति और उनके संबंधियों को ईमानदारी का सर्टिफिकेट दिया। आरोप लगाने वाला भी आप कार्यकर्ता, जिस पर आरोप लगा, वो भी आप कार्यकर्ता। सर्टिफिकेट भी वो बांट रहे हैं, जो शराब माफिया से जुड़े है।

एसीबी ने जाल बिछाकर मॉडल टाउन से आप विधायक अखिलेशपति त्रिपाठी के साले ओम सिंह, पीए शिव शंकर पांडेय उर्फ विशाल पांडेय और साथी प्रिंस रघुवंशी को 33 लाख रुपये लौटाते रंगेहाथों पकड़ लिया। पीड़ित कमला नगर निवासी आप कार्यकर्ता गोपाल खारी का आरोप है कि निगम चुनाव में पार्टी से टिकट दिलाने के नाम पर त्रिपाठी ने उनसे 90 लाख रुपये मांगे थे। खारी के मुताबिक उसने कुल 55 लाख दिए थे। जिसमें 35 लाख अखिलेशपति व 20 लाख वजीरपुर के विधायक राजेश गुप्ता को दिए गए। राजेश को पैसे अखिलेशपति के कहने पर पहुंचाए थे।

आपको बता दें कि नगर निगम चुनाव में टिकट दिलाने के नाम पर 90 लाख रुपये मांगने वाले आप विधायक अखिलेशपति त्रिपाठी के साले, और पीए समेत तीन लोगों को भ्रष्टाचार निरोधी शाखा (एसीबी) ने बुधवार को गिरफ्तार किया था। 55 लाख रुपये देने के बाद भी टिकट नहीं मिलने पर महिला दावेदार के पति ने एसीबी से शिकायत की थी।

वहीं, एसीबी के सामने हाजिर हुए विधायक अखिलेशपति ने कहा कि वह व्यक्ति (गोपाल खारी) खुद ही दलाली में शामिल है और उसके खिलाफ कम से कम 50 मामले दर्ज हैं। मैं ऐसे लोगों के खिलाफ बोलना जरूरी नहीं समझता हूं। कानून अपना काम करेगा।

दिल्ली नगर निगम चुनाव में टिकट दिलाने के नाम पर 90 लाख रुपये मांगने वाले आप विधायक अखिलेशपति त्रिपाठी एसीबी कार्यालय में हाजिर हुए। एसीबी ने मॉडल टाउन विधायक को समन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया था। एसीबी प्रमुख मधुर वर्मा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि गुरुवार सुबह उन्हें एसीबी दफ्तर आने के लिए कहा गया था।

करोल बाग विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी ने नामांकन पत्रों की जांच के दौरान वार्ड नंबर–84 देव नगर में कांग्रेस सुशीला खोरवाल के साथ–साथ उनके विकल्प उम्मीदवार मदन खोरवाल का भी नामांकन पत्र रद्द कर दिया।

आयोग इन आपत्तियों पर आज निर्णय लेगा। आयोग ने बुधवार को नामांकन पत्रों की जांच के दौरान भाजपा, आम आदमी पार्टी व कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवारों के एक अधिक जमा कराए गए नामांकन पत्र रद्द किए गए। इसी तरह उनका एक नामांकन पत्र सही मिलने पर उनके विकल्प उम्मीदवारों के भी नामांकन पत्र रद्द हो गए। इसके अलावा विभिन्न खामिया मिलने पर कुछ निर्दलीय उम्मीदवारों के नामांकन पत्र भी रद्द किए गए। आयोग के अनुसार नामांकन पत्रों की जांच के बाद एमसीडी के 250 वार्डों में 1448 उम्मीदवार मैदान में बचे है। हालांकि अभी आयोग वार्ड नंबर–43 सुल्तानपुरी–ए, वार्ड नंबर–142 दरिया गंज, वार्ड नंबर–148 हौज खास, वार्ड नंबर 165 मदनगीर, वार्ड नंबर–170 तुगलकाबाद एक्सटेंशन, वार्ड नंबर–225 सीलमपुर में कई उम्मीदवारों की ओर से उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों पर उठाई आपत्तियों को निपटारा नहीं कर सका।

दिल्ली राज्य चुनाव आयोग आज उम्मीदवारों की ओर से दर्ज कराई गई आपत्तियों की जांच पड़ताल करने के बाद निर्णय लेगा। आयोग ने 244 वार्डों के उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों की जांच का कार्य पूरा कर दिया है। इस तरह अब 1448 उम्मीदवार मैदान में रह गए है।

अभी इस सूची में कमी आने की संभावना है, क्योंकि 19 नवंबर तक नामांकन वापस लिए जा सकते हैं। दिल्ली राज्य चुनाव आयोग ने नामांकन पत्रों की जांच में कांग्रेस के एक उम्मीदवार समेत 1137 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र खामियां व तकनीकी वजह से रद्द किए। दिल्ली राज्य चुनाव आयोग ने एमसीडी चुनाव के लिए बुधवार को नामांकन पत्रों की जांच करने का कार्य पूरा किया। दिल्ली एमसीडी चुनाव के लिए दाखिल किए नामांकन पत्रों की जांच करने का कार्य पूरा नहीं हो सका। छह वार्डों में विभिन्न उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों पर कुछ उम्मीदवारों की ओर से दर्ज कराई गई आपत्ति का निपटारा नहीं हो सका। दिल्ली राज्य चुनाव आयोग आज उम्मीदवारों की ओर से दर्ज कराई गई आपत्तियों की जांच पड़ताल करने के बाद निर्णय लेगा। आयोग ने 244 वार्डों के उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों की जांच का कार्य पूरा कर दिया है। इस तरह अब 1448 उम्मीदवार मैदान में रह गए है।

कुत्तों के आतंक का जिम्मेदार कौन, आए दिन शिकार हो रहे हैं लोग, घटना के बाद मौन हो जाता है प्रशासन

दिल्ली– एनसीआर के नोएडा, गाजियाबाद में आवारा और पालतू कुत्तों ने आतंक मचा रखा है। पिछले कुछ दिनों से पालतू कुत्तों और स्ट्रीट डॉग के हमले की लगातार खबरें आ रही हैं। 16 नवंबर को ग्रेटर नोएडा में एक पालतू कुत्ते का आतंक देखने को मिला। जहां ग्रेटर नोएडा की सोसाइटी लॉ रेजिडेंसिया सोसाइटी में एक पालतू कुत्ते ने स्कूल जा रहे बच्चे को निशाना बनाया। कुत्ते ने बच्चे के हाथ में बुरी तरह से काट लिया। जिसमें वह बच्चा घायल हो गया।

घटना तब हुई जब बच्चा स्कूल जाते वक्त लिफ्ट में था। ये पूरा मामला सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। पालतू कुत्ते के हमले में घायल इस बच्चे को 4 इंजेक्शन लगे। फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। इस घटना के बाद सोसाइटी वालों में डर का माहौल है।

इससे पहले नोएडा सेक्टर– 19 के सी ब्लॉक से सामने आया था जहां आवारा कुत्तों ने एक महिला पर हमला करके बुरी तरह घायल कर दिया था। लहूलुहान हालत में महिला को जिला अस्पताल ले जाया गया जहां से उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया था।

कुत्तों ने इस कदर हमला किया इसका अंदाजा आप इससे लगा सकते हैं कि महिला को बारह टांके लगे। आवारा कुत्तों को पकड़कर ले जाने और इस समस्या का कोई समाधान करने के लिए सेक्टर 19 की आर डब्ल्यू ए ने संबंधित विभागों से कई बार शिकायत की है। गाड़ी आती है और बिना कुछ किए किसी न किसी बहाने से वापस चली जाती है।

तीसरी घटना गाजियाबाद की है जहां हाल ही में अजनारा जैन एक्स सोसाइटी में एक 6 साल के बच्चे पर 3 कुत्तों ने हमला बोल दिया। कुत्ते के हमले के बाद बच्चे को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। बच्चे की मां सीमा ने बताया कि बच्चा कुत्तों के हमले के बाद सदमे में आ गया है। घर से बाहर निकलने से डरता है और बार–बार यही सवाल पूछता है कि कुत्ते ने क्यों काटा ?

अक्टूबर में नोएडा में कुत्तों ने एक मासूम की जान ले ली। यह मामला नोएडा के सेक्टर–100 स्थित लोटस बुलेवर्ड सोसायटी का है। इस सोसायटी में तकरीबन 2500 फ्लैट्स हैं। इस घटना के बाद से ही सोसायटी में रहने वाले लोग काफी परेशान हैं। पिछले दिनों नोएडा में एक मासूम की मौत के बाद कैंडल मार्च निकाला गया था। इस कैंडल मार्च में छोटे–छोटे बच्चे भी पोस्टर लेकर शामिल हुए थे। इस कैंडल मार्च का वीडियो सामने आने के बाद से ही पालतू और आवारा कुत्तों को लेकर देश में एक नई बहस शुरू हो गई है। इस कैंडल मार्च में महिलाओं और बच्चों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया था। देश के कई हिस्सों में इस घटना को लेकर लोगों ने सोशल साइट्स पर अपना विरोध दर्ज कराया था।

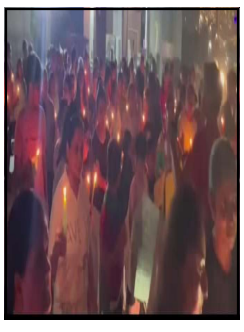

विधानमंडल सत्र के बाद जारी होगी निकाय चुनाव की अधिसूचना, 8 जनवरी से पहले करवाने हैं चुनाव

उत्तर प्रदेश में नगरीय निकायों के चुनाव के लिए जारी होने वाली अधिसूचना अभी और टल सकती है। विधानमंडल के शीतकालीन सत्र का आयोजन पांच दिसंबर से होगा। ऐसे में माना जा रहा है कि इस सत्र के बाद ही निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी होगी।प्रदेश में 763 नगरीय निकाय संस्थाओं के चुनाव दिसंबर में प्रस्तावित है। राज्य निर्वाचन आयोग को 8 जनवरी से पहले चुनाव करवाने हैं। आयोग ने मतदाता सूची पुनरीक्षण 18 नवंबर को पूरा कर लिया। अब नगर विकास विभाग तेजी से आरक्षण निर्धारित करने की कार्रवाई कर रहा है। इससे माना जा रहा था कि नवंबर के अंतिम सप्ताह तक निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी हो सकती है।सरकार पांच दिसंबर से होने वाले दिवसीय शीतकालीन सत्र में अनुपूरक बजट पेश करेगी। इसमें कुछ नई योजनाओं की घोषणा की जा सकती है। यदि उससे पहले निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी की गई तो उनका सीधा असर निकाय चुनाव की आचार संहिता पर पड़ेगा। ऐसे में निकाय चुनाव की अधिसूचना शीतकालीन सत्र के बाद ही जारी होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि वर्ष 2017 में शहरी निकायों में चुनाव के परिणाम एक दिसंबर को घोषित हुए थे जबकि अधिसूचना अक्तूबर के अंतिम सप्ताह में जारी की गई थी।उधर शहरी निकायों में वार्डों का आरक्षण तय करने की प्रक्रिया अंतिम दौर में पहुंच चुकी है। शासन से मिली जानकारी के मुताबिक फिलहाल 62 जिलों में ओबीसी आबादी की गणना और वार्डों के आरक्षण के प्रस्ताव शासन को भेजे जा चुके हैं। इनमें जो कमियां हैं, उन्हें निकायों के अधिकारियों को बुलाकर दुरुस्त करवाया जा रहा है।सूत्र बताते हैं कि अगले दो–तीन दिनों में सभी जिलों से शहरी निकायों में वार्डों के आरक्षण संबंधी प्रस्ताव शासन को मिल जाएंगे। इसके बाद नगर पंचायतों व नगर पालिका परिषदों में चेयरमैन और नगर निगमों में मेयर तय करने की प्रक्रिया शुरू होगी। पहले इन आरक्षणों को नवंबर के तीसरे सप्ताह में जारी करने की उम्मीद थी, अब इसे भी कुछ और समय के लिए टाला जा सकता है।उत्तर प्रदेश में नगरीय निकायों के चुनाव के लिए जारी होने वाली अधिसूचना अभी और टल सकती है। विधानमंडल के शीतकालीन सत्र का आयोजन पांच दिसंबर से होगा। ऐसे में माना जा रहा है कि इस सत्र के बाद ही निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी होगी।प्रदेश में 763 नगरीय निकाय संस्थाओं के चुनाव दिसंबर में प्रस्तावित है। राज्य निर्वाचन आयोग को 8 जनवरी से पहले चुनाव करवाने हैं। आयोग ने मतदाता सूची पुनरीक्षण 18 नवंबर को पूरा कर लिया। अब नगर विकास विभाग तेजी से आरक्षण निर्धारित करने की कार्रवाई कर रहा है। इससे माना जा रहा था कि नवंबर के अंतिम सप्ताह तक निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी हो सकती है।सरकार पांच दिसंबर से होने वाले दिवसीय शीतकालीन सत्र में अनुपूरक बजट पेश करेगी। इसमें कुछ नई योजनाओं की घोषणा की जा सकती है। यदि उससे पहले निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी की गई तो उनका सीधा असर निकाय चुनाव की आचार संहिता पर पड़ेगा। ऐसे में निकाय चुनाव की अधिसूचना शीतकालीन सत्र के बाद ही जारी होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि वर्ष 2017 में शहरी निकायों में चुनाव के परिणाम एक दिसंबर को घोषित हुए थे जबकि अधिसूचना अक्तूबर के अंतिम सप्ताह में जारी की गई थी।उधर शहरी निकायों में वार्डों का आरक्षण तय करने की प्रक्रिया अंतिम दौर में पहुंच चुकी है। शासन से मिली जानकारी के मुताबिक फिलहाल 62 जिलों में ओबीसी आबादी की गणना और वार्डों के आरक्षण के प्रस्ताव शासन को भेजे जा चुके हैं। इनमें जो कमियां हैं, उन्हें निकायों के अधिकारियों को बुलाकर दुरुस्त करवाया जा रहा है।सूत्र बताते हैं कि अगले दो–तीन दिनों में सभी जिलों से शहरी निकायों में वार्डों के आरक्षण संबंधी प्रस्ताव शासन को मिल जाएंगे। इसके बाद नगर पंचायतों व नगर पालिका परिषदों में चेयरमैन और नगर निगमों में मेयर तय करने की प्रक्रिया शुरू होगी। पहले इन आरक्षणों को नवंबर के तीसरे सप्ताह में जारी करने की उम्मीद थी, अब इसे भी कुछ और समय के लिए टाला जा सकता है।उत्तर प्रदेश में नगरीय निकायों के चुनाव के लिए जारी होने वाली अधिसूचना अभी और टल सकती है। विधानमंडल के शीतकालीन सत्र का आयोजन पांच दिसंबर से होगा। ऐसे में माना जा रहा है कि इस सत्र के बाद ही निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी होगी।प्रदेश में 763 नगरीय निकाय संस्थाओं के चुनाव दिसंबर में प्रस्तावित है। राज्य निर्वाचन आयोग को 8 जनवरी से पहले चुनाव करवाने हैं। आयोग ने मतदाता सूची पुनरीक्षण 18 नवंबर को पूरा कर लिया। अब नगर विकास विभाग तेजी से आरक्षण निर्धारित करने की कार्रवाई कर रहा है। इससे माना जा रहा था कि नवंबर के अंतिम सप्ताह तक निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी हो सकती है।सरकार पांच दिसंबर से होने वाले दिवसीय शीतकालीन सत्र में अनुपूरक बजट पेश करेगी।

आवश्यकता है

झुग्गी झोपडी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
एवमं
JJ News Portal
के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले

के लिए संवाददाता, पेजमेकर आपरेटर, विज्ञापन प्रतिनिधि और एजेंसी / ब्यूरो चीफ बनने हेतु सम्पर्क करे !

सम्पादक - संजय कुमार यादव
9918366626 9454084311
पता
277/129, चकिया, जगमल का हाता, पीएनबी एटीएम के पास

यूपी को पर्यटन प्रदेश बनाने की तैयारी में योगी सरकार, 10 लाख रोजगार पैदा करने का उद्देश्य

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश को 'पर्यटन प्रदेश' के रूप में विकसित करने जा रही है। इसके लिए प्रमुख पर्यटन स्थलों के साथ कम ज्ञात पर्यटन स्थलों को संवारने और प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए निजी निवेशकों को 40 करोड़ रुपए तक की छूट प्रदान करने का फैसला किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक में नई पर्यटन नीति को मंजूरी दी गई है, जिसमें निवेशकों को फोकस पर्यटन स्थलों के विकास में योगदान देने पर राहतों की बड़ी सौगात दी गई है।उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कई तरह की पहल की हैं। इनमें एक जैसे धार्मिक, भौगोलिक और प्राकृतिक स्थलों को जोड़कर सर्किट बनाने के अलावा नए वैकल्पिक पर्यटन केंद्रों की स्थापना का खाका तैयार किया गया है। साथ ही, पर्यटन के क्षेत्र में 20 हजार करोड़ के निवेश के साथ–साथ 10 लाख रोजगार सृजित करने का लक्ष्य भी तय किया गया है। हर तरह के निवेशकों को मिलेगी सब्सिडीनई नीति के तहत प्रदेश में निवेश करने वाले उद्यमियों को कई तरह के अनुदान देने की बात कही गई है। इसके तहत, 10 लाख से लेकर 10 करोड़ रुपए तक का निवेश करने वालों को 25 प्रतिशत या 2 करोड़ रुपए तक की छूट मिलेगी। वहीं, 10 करोड़ से 50 करोड़ रुपए तक का निवेश करने वाले उद्यमियों को 20 प्रतिशत या 7.5 करोड़ रुपए तक की सब्सिडी प्रदान की जाएगी। इसी तरह 50 करोड़ रुपए से 200 करोड़ रुपए के बीच निवेश पर उद्यमियों को 15 प्रतिशत या 20 करोड़ रुपए तक की सब्सिडी मिलेगी। वहीं 200 करोड़ से 500 करोड़ रुपए के बीच के निवेशकों को 10 प्रतिशत या 25 करोड़ रुपए तक की छूट प्रदान की जाएगी। 500 करोड़ रुपए से अधिक पूंजी का निवेश करने वाले प्रीमियर निवेशकों को 10 प्रतिशत या 40 करोड़ रुपए में जो भी अधिक हो, सब्सिडी प्रदान की जाएगी। महिलाओं और एससी–एसटी को 5 प्रतिशत अतिरिक्त छूटफोकस टूरिज्म डेस्टिनेशन (एफटीओ) में पर्यटन इकाई के प्रस्तावों हेतु महिला उद्यमी तथा अनुसूचित जाति व जनजाति के उद्यमियों को सब्सिडी में अतिरिक्त 5 प्रतिशत का अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, पर्यटन इकाइयों की स्थापना हेतु 5 करोड़ रुपए तक की बैंक ऋण राशि पर पात्र पर्यटन इकाइयां अधिकतम 5 साल की अवधि के लिए प्रति वर्ष ऋण राशि के 5 प्रतिशत या अधिकतम 25 लाख की ब्याज सब्सिडी प्रदान की जाएगी। पंजीकृत पर्यटन इकाइ ब्याज सब्सिडी अथवा कैपिटल सब्सिडी में से किसी एक अनुदान हेतु ही अनुमन्य होगी। स्टांप शुल्क और पंजीकरण में 100 प्रतिशत छूट नई पर्यटन नीति में पर्यटन इकाइयों की स्थापना या विस्तारीकरण हेतु भूमि के प्रथम क्रय, लीज, ट्रांसफर पर स्टांप शुल्क और पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट दिए जाने का भी प्रावधान है। सभी नई और विस्तार कर रही पर्यटन इकाइयों के लिए भू उपयोग परिवर्तन और विकास शुल्क में भी पूर्ण छूट दिए जाने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा रोजगार सृजन पर ईपीएफ सब्सिडी, दिव्यांग अनुकूल इकाइयों के लिए विशेष प्रोत्साहन, सूचना और प्रौद्योगिकी सक्षमता के लिए विशिष्ट प्रोत्साहन, नवाचार विशिष्ट हेतु 50 हजार रुपए तक का प्रोत्साहन, पर्यटन, आतिथ्य उद्योग में शोध के लिए 10 लाख रुपए तक की सहायता के अलावा राज्य की दुर्लभ एवं लुप्तप्राय कला, संस्कृति और व्यंजनों का संरक्षण, संवर्धन, पुनर्जीवित किए जाने हेतु 5 लाख तक प्रोत्साहन की व्यवस्था की गई है। हेरिटेज होटलों के लिए विशेष प्रोत्साहन हेरिटेज इकाई को लेकर भी नीति में कई प्रोत्साहन दिए गए हैं। हेरिटेज इकाई के मूल स्वरूप में बिना बदलाव लाए इकाई के संरक्षण, विस्तार, रेनोवेशन के जरिए हेरिटेज होटलों का संचालन करने वाले उद्यमियों को पूंजीगत निवेश के 25 प्रतिशत या अधिकतम 5 करोड़ रुपए की सब्सिडी प्रदान की जाएगी। 5 करोड़ के ऋण पर 5 वर्ष तक 5 प्रतिशत तक का ब्याज अनुदान दिए जाने का प्रावधान है। हेरिटेज इकाइयों को पूंजीगत एवं ब्याज अनुदान दोनों अनुमन्य होगा। हेरिटेज होटल की स्थापना या विस्तारीकरण हेतु क्रय की गई भूमि पर स्टांप ड्यूटी में छूट दिए जाने का प्रावधान है। वहीं हेरिटेज होटल की स्थापना हेतु भू उपयोग परिवर्तन आवश्यक होने पर ऐसा परिवर्तन निशुल्क किए जाने का प्रावधान है। ग्रामीण क्षेत्रों में हेरिटेज होटलों के परिसर में बार लाइसेंस हेतु लाइसेंस शुल्क में 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति किए जाने का भी प्रावधान है। वहीं राज्य सरकार हेरिटेज होटल्स तक सर्वऋतु मार्ग तथा अतिक्रमण मुक्त लिंक रोड की व्यवस्था कराएगी। निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु विद्युत सब स्टेशन, ट्रांसफॉर्मर की व्यवस्था की जाएगी तथा आकर्षक साइनेज लगाए जाएंगे।युवाओं में विकसित करेंगे पर्यटन की समझ नीति में युवाओं एवं बच्चों में प्रारंभ से ही पर्यटन व संस्कृति की समझ, आवश्यक्ता तथा महत्व को विकसित करने की योजना बनाई गई है। इसके तहत युवा पर्यटन क्लबों को देश में उत्तरदायी और सतत पर्यटन विकसित करने के साधन के रूप में चिन्हित किया गया है। इसके अलावा राज्य में विभिन्न पर्यटन व्यवसायों द्वारा संचालित असाधारण पहलों और सेवा की गुणवत्ता को मान्यता प्रदान करने के लिए बेस्ट टूर ऑपरेटर, बेस्ट वेलनेस सेंटर, बेस्ट होटल, बेस्ट हेरिटेज होटल, बेस्ट इको टूरिज्म ऑपरेटर, बेस्ट इको रिसॉर्ट, बेस्ट होमस्टे, बेस्ट एडवेंचर टूर ऑपरेटर आदि राज्य पर्यटन पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश को 'पर्यटन प्रदेश' के रूप में विकसित करने जा रही है। इसके लिए प्रमुख पर्यटन स्थलों के साथ कम ज्ञात पर्यटन स्थलों को संवारने और प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए निजी निवेशकों को 40 करोड़ रुपए तक की छूट प्रदान करने का फैसला किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक में नई पर्यटन नीति को मंजूरी दी गई है, जिसमें निवेशकों को फोकस पर्यटन स्थलों के विकास में योगदान देने पर राहतों की बड़ी सौगात दी गई है।उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कई तरह की पहल की हैं। इनमें एक जैसे धार्मिक, भौगोलिक और प्राकृतिक स्थलों को जोड़कर सर्किट बनाने के अलावा नए वैकल्पिक पर्यटन केंद्रों की स्थापना का खाका तैयार किया गया है। साथ ही, पर्यटन के क्षेत्र में 20 हजार करोड़ के निवेश के साथ–साथ 10 लाख रोजगार सृजित करने का लक्ष्य भी तय किया गया है। हर तरह के निवेशकों को मिलेगी सब्सिडीनई नीति के तहत प्रदेश में निवेश करने वाले उद्यमियों को कई तरह के अनुदान देने की बात कही गई है। इसके तहत, 10 लाख से लेकर 10 करोड़ रुपए तक का निवेश करने वालों को 25 प्रतिशत या 2 करोड़ रुपए तक की छूट मिलेगी। वहीं, 10 करोड़ से 50 करोड़ रुपए तक का निवेश करने वाले उद्यमियों को 20 प्रतिशत या 7.5 करोड़ रुपए तक की सब्सिडी प्रदान की जाएगी। इसी तरह 50 करोड़ रुपए से 200 करोड़ रुपए के बीच निवेश पर उद्यमियों को 15 प्रतिशत या 20 करोड़ रुपए तक की सब्सिडी मिलेगी। वहीं 200 करोड़ से 500 करोड़ रुपए के बीच के निवेशकों को 10 प्रतिशत या 25 करोड़ रुपए तक की छूट प्रदान की जाएगी। 500 करोड़ रुपए से अधिक पूंजी का निवेश करने वाले प्रीमियर निवेशकों को 10 प्रतिशत या 40 करोड़ रुपए में जो भी अधिक हो, सब्सिडी प्रदान की जाएगी। महिलाओं और एससी–एसटी को 5 प्रतिशत अतिरिक्त छूटफोकस टूरिज्म डेस्टिनेशन (एफटीओ) में पर्यटन इकाई के प्रस्तावों हेतु महिला उद्यमी तथा अनुसूचित जाति व जनजाति के उद्यमियों को सब्सिडी में अतिरिक्त 5 प्रतिशत का अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, पर्यटन इकाइयों की स्थापना हेतु 5 करोड़ रुपए तक की बैंक ऋण राशि पर पात्र पर्यटन इकाइयां अधिकतम 5 साल की अवधि के लिए प्रति वर्ष ऋण राशि के 5 प्रतिशत या अधिकतम 25 लाख की ब्याज सब्सिडी प्रदान की जाएगी। पंजीकृत पर्यटन इकाइ ब्याज सब्सिडी अथवा कैपिटल सब्सिडी में से किसी एक अनुदान हेतु ही अनुमन्य होगी। स्टांप शुल्क और पंजीकरण में 100 प्रतिशत छूट नई पर्यटन नीति में पर्यटन इकाइयों की स्थापना या विस्तारीकरण हेतु भूमि के प्रथम क्रय, लीज, ट्रांसफर पर स्टांप शुल्क और पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट दिए जाने का भी प्रावधान है। सभी नई और विस्तार कर रही पर्यटन इकाइयों के लिए भू उपयोग परिवर्तन और विकास शुल्क में भी पूर्ण छूट दिए जाने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा रोजगार सृजन पर ईपीएफ सब्सिडी, दिव्यांग अनुकूल इकाइयों के लिए विशेष प्रोत्साहन, सूचना और प्रौद्योगिकी सक्षमता के लिए विशिष्ट प्रोत्साहन, नवाचार विशिष्ट हेतु 50 हजार रुपए तक का प्रोत्साहन, पर्यटन, आतिथ्य उद्योग में शोध के लिए 10 लाख रुपए तक की सहायता के अलावा राज्य की दुर्लभ एवं लुप्तप्राय कला, संस्कृति और व्यंजनों का संरक्षण, संवर्धन, पुनर्जीवित किए जाने हेतु 5 लाख तक प्रोत्साहन की व्यवस्था की गई है। हेरिटेज होटलों के लिए विशेष प्रोत्साहन हेरिटेज इकाई को लेकर भी नीति में कई प्रोत्साहन दिए गए हैं। हेरिटेज इकाई के मूल स्वरूप में बिना बदलाव लाए इकाई के संरक्षण, विस्तार, रेनोवेशन के जरिए हेरिटेज होटलों का संचालन करने वाले उद्यमियों को पूंजीगत निवेश के 25 प्रतिशत या अधिकतम 5 करोड़ रुपए की सब्सिडी प्रदान की जाएगी। 5 करोड़ के ऋण पर 5 वर्ष तक 5 प्रतिशत तक का ब्याज अनुदान दिए जाने का प्रावधान है। हेरिटेज इकाइयों को पूंजीगत एवं ब्याज अनुदान दोनों अनुमन्य होगा। हेरिटेज होटल की स्थापना या विस्तारीकरण हेतु क्रय की गई भूमि पर स्टांप ड्यूटी में छूट दिए जाने का प्रावधान है। वहीं हेरिटेज होटल की स्थापना हेतु भू उपयोग परिवर्तन आवश्यक होने पर ऐसा परिवर्तन निशुल्क किए जाने का प्रावधान है। ग्रामीण क्षेत्रों में हेरिटेज होटलों के परिसर में बार लाइसेंस हेतु लाइसेंस शुल्क में 50 प्रतिशत प्रतिपूर्ति किए जाने का भी प्रावधान है। वहीं राज्य सरकार हेरिटेज होटल्स तक सर्वऋतु मार्ग तथा अतिक्रमण मुक्त लिंक रोड की व्यवस्था कराएगी। निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु विद्युत सब स्टेशन, ट्रांसफॉर्मर की व्यवस्था की जाएगी तथा आकर्षक साइनेज लगाए जाएंगे।युवाओं में विकसित करेंगे पर्यटन की समझ नीति में युवाओं एवं बच्चों में प्रारंभ से ही पर्यटन व संस्कृति की समझ, आवश्यक्ता तथा महत्व को विकसित करने की योजना बनाई गई है। इसके तहत युवा पर्यटन क्लबों को देश में उत्तरदायी और सतत पर्यटन विकसित करने के साधन के रूप में चिन्हित किया गया है। इसके अलावा राज्य में विभिन्न पर्यटन व्यवसायों द्वारा संचालित असाधारण पहलों और सेवा की गुणवत्ता को मान्यता प्रदान करने के लिए बेस्ट टूर ऑपरेटर, बेस्ट वेलनेस सेंटर, बेस्ट होटल, बेस्ट हेरिटेज होटल, बेस्ट इको टूरिज्म ऑपरेटर, बेस्ट इको रिसॉर्ट, बेस्ट होमस्टे, बेस्ट एडवेंचर टूर ऑपरेटर आदि राज्य पर्यटन पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रदेश को 'पर्यटन प्रदेश' के रूप में विकसित करने जा रही है। इसके लिए प्रमुख पर्यटन स्थलों के साथ कम ज्ञात पर्यटन स्थलों को संवारने और प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए निजी निवेशकों को 40 करोड़ रुपए तक की छूट प्रदान करने का फैसला किया गया है।

पाकिस्तान के डिफॉल्टर होने का और बढ़ा अंदेशा, भारी पड़ रही है सियासी अस्थिरता

पाकिस्तान के डिफॉल्टर (कर्ज चुकाने में अक्षम) होने का अंदेशा बहुत बढ़ गया है। ब्रोकरेज फर्म आरिफ हबीब लिमिटेड (एएचएल) के आकलन के मुताबिक बीते 11 नवंबर को ये जोखिम 64.19 फीसदी तक पहुंच गया। पिछले पांच साल में क्रेडिट डिफॉर्ट स्वैप (सीडीएस) इंडेक्स पर पाकिस्तान की स्थिति इतनी खराब कभी नहीं हुई थी।

पर्यवेक्षकों के मुताबिक एक प्रमुख ब्रोकरेज फर्म का ये आकलन ने शहबाज शरीफ सरकार के लिए तगड़ा झटका है। पाकिस्तान पर डिफॉल्टर होने का खतरा लंबे समय से मंडरा रहा है। इसमें लगातार हो रही बढ़ोतरी को सरकार की बड़ी नाकामी माना जा रहा है। आलोचकों का कहना है कि इस खतरे से देश को उबारने के लिए दिन–रात एक करने के बजाय शरीफ सरकार सियासी मुद्दों से उलझी हुई है। उसकी प्रमुख चिंता अगले आम चुनाव तक कुर्सी पर बने रहने की रही है।

इस बीच नए सेनाध्यक्ष की नियुक्ति के सवाल पर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक नया दांव चल कर सरकार की उलझन बढ़ा दी है। खान ने अचानक अपना रुख बदलते हुए बुधवार को कहा कि वे अब चुप रहते हुए इस देखेंगे कि पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) गठबंधन की सरकार किसे नया सेनाध्यक्ष बनाती है। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने पीडीएम की प्रमुख पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) के सुप्रीमो नवाज शरीफ पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे ऐसे अफसर को सेनाध्यक्ष बनाना चाहते हैं, जो उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान ने कहा– 'नवाज ऐसा सेनाध्यक्ष चाहते हैं, जो उनके हितों की रक्षा करे। लेकिन कोई सेनाध्यक्ष राष्ट्र–हित के खिलाफ नहीं जाएगा। इसलिए सरकार जो चाहे, करे।'खबरों के मुताबिक आर्थिक क्षेत्रों में इस बात से काफी बेचैनी है कि जब देश का आर्थिक संकट लगातार गहराता जा रहा है, जब देश के राजनेता अन्य प्रश्नों पर तू तू–मैं मैं में जुटे हुए हैं। बाजार विशेषज्ञों ने एएचएल की रिपोर्ट को देश के लिए एक कड़ी चेतावनी बताया है। एक विश्लेषक ने अपना नाम न छापने की शर्त पर वेबसाइट बिजनेसरिकॉर्डर. कॉम से कहा– 'पाकिस्तान के कर्ज बीमा की रकम बढ़ रही है, इसका अर्थ है कि देश के डिफॉल्टर होने की आशंका गहरा रही है।' बीते 31 मई को पाकिस्तान पर कुल बाहरी कर्ज और देनदारियां 126.07 बिलियन डॉलर थीं। उपरोक्त विश्लेषक ने कहा– 'सीडीएस में बढ़ोतरी देश में जारी राजनीतिक अस्थिरता के कारण हुई है। इसके अलावा देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आ रही है और विदेश में कमाने वाले पाकिस्तानियों से आने वाली रकम घट रही है। इससे देश के लिए सुरक्षित कोष के स्रोत घटे हैं।

स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के आंकड़ों के मुताबिक बीते चार नवंबर तक उसके पास 7.96 बिलियन डॉलर की विदेशी मुद्रा ही बची थी। यह सुरक्षित स्तर से बहुत कम है। बाजार विश्लेषकों ने कहा है कि सरकार को तुरंत ऐसे कदम उठाने चाहिए, जिससे विदेशी मुद्रा का बाहर जाना रुके। लेकिन ऐसे कदम उठाने के बजाय सरकार का ध्यान चीन और सऊदी अरब जैसे देशों से और कर्ज लाने पर टिका है। इधर देश के अंदर अस्थिरता का माहौल लगातार बना हुआ है।

क्या चीन अपनी अच्छी छवि बनाने के लिए ले रहा है जोर–जबरदस्ती का सहारा?

अपने बारे में नकारात्मक खबरों पर लगाम लगाने के लिए चीन सरकार ने दुनिया भर की सरकारों पर दबाव बढ़ा दिया है। ये दावा अमेरिका सरकार से जुड़ी संस्था फ्रीडम हाउस ने अपनी एक हालिया रिपोर्ट में किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन सरकार विभिन्न देशों की सरकार पर चीन की सकारात्मक छवि बनाने के लिए दबाव डाल रही है। हाल में जोर–जबरदस्ती की ऐसी घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

फ्रीडम हाउस की रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया के सूचना तंत्र के प्रमुख हिस्सों पर चीन का प्रभाव बढ़ा है। इसके तहत चीन ने अपने संदेशों को मन–माफिक ढंग से पहुंचाने की मुहिम तेज कर रखी है। चीन अब विदेशी मीडिया पर निर्भर नहीं कर रहा है। चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी में ये राय बनी है कि विदेशी मीडिया ने उसके प्रति विरोधी रुख अपना रखा है।

फ्रीडम हाउस की रिपोर्ट पर आधारित ईस्ट एशिया फोरम के एक आलेख में कहा गया है कि चीन ने दुनिया भर में अपने मीडिया की पहुंच बनाने की कोशिश की है। इसकी शुरुआत टीवी चौनल सीजीटीएन (जिसका शुरुआत में नाम सीसीटीवी था) लॉन्च करने से की गई। 2008 के बाद इस चौनल के लिए सरकारी अनुदान में तेजी से इजाफा हुआ। उसके बाद चीन ने दूसरे देशों के मीडिया संस्थानों को प्रभावित करने की कोशिश शुरू की।

लेकिन कुछ विश्लेषकों ने राय जताई है कि चीन की ये कोशिश ज्यादा कामयाब नहीं हुई है। ब्रिटेन में यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स में राजनीति और चीन के अंतरराष्ट्रीय संबंध विषय के लेक्चरर किंग्सले एडनी ने हाल में आई एक सर्वेक्षण रिपोर्ट के नतीजों का उल्लेख किया है। इसे सर्वे से सामने आया था कि दुनिया के कई हिस्सों में चीन के प्रति लोगों की राय नकारात्मक बनी हुई है। हालांकि एडनी ने यह भी कहा है कि पश्चिमी देशों के राजनेताओं को जनमत के इस रुझान के भरोसे नहीं बैठे रहना चाहिए, बल्कि उन्हें चीन के प्रचार को लेकर सतर्क रहना चाहिए। चीन लगातार पश्चिमी देशों में मौजूद नस्लभेदी भावनाओं को और भड़का रहा है, जिसका फायदा उन देशों के धुर दक्षिणपंथी समूह उठा सकते हैं।

फ्रीडम हाउस की रिपोर्ट में पश्चिमी देशों को सलाह दी गई है कि वे अपने यहां पारदर्शिता संबंधी नियमों को लागू करें और मीडिया पर विदेशी मालिकाने को सीमित करने के कदम उठाएं। उन्हें मीडिया पर चीन के प्रभाव को इस तरह नियंत्रित करना चाहिए, जो लोगों को उचित महसूस हो और यह धारणा ना बने कि उदारवादी मूल्यों की अनदेखी की जा रही है। फ्रीडम हाउस ने यह चेतावनी भी दी है कि ऐसे कदमों को उठाने के बावजूद यह गारंटी नहीं की जा सकती कि भविष्य में चीन का प्रभाव नहीं बढ़ेगा।

विश्लेषकों ने कहा है कि गुजरे दशकों में चीन के साथ पश्चिम के सामाजिक और आर्थिक संबंधों का विस्तार हुआ था। उससे सार्वजनिक चर्चा पर चीन का प्रभाव बनाना लाजिमी था। अब उचित यह होगा कि इस प्रभाव को पूरी तरह खत्म करने के बजाय इसे अहानिकर बनाने के उपाय किए जाएं।

राहुल द्रविड़ को आराम दिए जाने से नाराज हुए पूर्व कोच रवि शास्त्री, बोले उन्हें क्यों ब्रेक चाहिए

भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 और वनडे सीरीज में भारत के कई अहम खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। खिलाड़ियों के साथ ही मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और उनके सहयोगियों को भी आराम दिया गया है। इस भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने नाराजगी जताई है। उन्होंने टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ को लगातार ब्रेक दिए जाने के फैसले पर सवाल उठाया है। यह पहली बार नहीं है जब द्रविड़ और उनके सहयोगियों को आराम दिया गया है। इससे पहले इस साल की शुरुआत में भारत के जिम्बाब्वे और आयरलैंड के दौरे पर लक्ष्मण ही भारत के कोच थे। भारत के आयरलैंड दौरे के समय राहुल द्रविड़ मुख्य टीम के साथ इंग्लैंड में थे, लेकिन अगस्त में भारत के जिम्बाब्वे दौरे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में द्रविड़ टीम के साथ नहीं थे। उन्हें आराम दिया गया था।

शास्त्री भारतीय टीम के कोच के रूप में लगातार सक्रिय थे। चाहे भारत की मुख्य टीम खेले या बी टीम वह अपने खिलाड़ियों के साथ रहते थे। ऐसे में उन्होंने द्रविड़ के ब्रेक लेने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि अगर कोच लगातार ब्रेक लेंगे तो खिलाड़ियों के साथ उनके संबंध और सामंजस्य खराब हो सकते हैं।

रवि शास्त्री ने भारतीय टीम का कोच पद इसी वजह से छोड़ा था। उनका कहना था कि कोच के रूप में उन्हें लगातार भारतीय टीम के साथ रहना पड़ता है और सात साल तक ऐसा करने के बाद अपने जीवन में बदलाव चाहते हैं। हालांकि, खिलाड़ियों को तरोताजा रखने के लिए आराम दिया जाता है, लेकिन शास्त्री का मानना है कि कोच के लिए यह तरीका कामयाब नहीं होगा। शास्त्री ने वेलिंगटन में भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी20 सीरीज के पहले कहा, " मैं ब्रेक लेने में यकीन नहीं करता। क्योंकि मैं अपनी टीम को समझना चाहता हूं, मैं अपने खिलाड़ियों को समझना चाहता हूं और फिर अपनी टीम को नियंत्रण में रखना चाहता हूं। ये ब्रेक ... ईमानदार से कहूं तो आपको इतने ब्रेक की क्या आवश्यकता है? आपको आईपीएल के दौरान दो से तीन महीने मिलते हैं, एक कोच के रूप में आराम करने के लिए यह पर्याप्त होते हैं। लेकिन बाकी समय मुझे लगता है कि एक कोच को हमेशा टीम के साथ रहना चाहिए, चाहे वह कोई भी हो।

विक्रम राठौर की जगह ऋषिकेश कानिटकर बल्लेबाजी कोच होंगे। वहीं, पारस म्हाम्ब्रे की जगह साईराज बहुतुले गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी निभाएंगे। राहुल द्रविड़, विक्रम राठौर और पारस म्हाम्ब्रे चार दिसंबर से बांग्लादेश के खिलाफ वनडे और टेस्ट सीरीज के लिए अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे।

इन फिल्मों में दिखा ओल्ड एज रोमांस, एक में तो अभिनेता ने 18 साल की अभिनेत्री को किया था किस

बॉलीवुड अपनी रोमांटिक फिल्मों के साथ–साथ अजब–गजब जोड़ियों के लिए भी जाने जाते हैं। कई बार पर्दे पर ऐसी जोड़ियां रोमांस करती हुई भी नजर आती हैं, जिन्हें देखकर काफी हैरानी होगी। आमतौर पर 40 की उम्र के बाद अभिनेत्रियों को लीड रोल नहीं मिलता है, वहीं 90 के दशक के अभिनेता अभी भी फिल्मों में अपनी बेटी की उम्र की अभिनेत्रियों संग लीड रोल निभाते नजर आ जाते हैं। तो चलिए आज हम आपको उन सितारों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो पर्दे पर कम उम्र की अभिनेत्रियों संग रोमांस कर चुके हैं।

पर्दे पर हर तरीके के किरदार निभाने वाले अमिताभ बच्चन भी कई रोमांटिक फिल्मों में नजर आ चुके हैं। अमिताभ बच्चन भी पर्दे पर अपने से आधी उम्र की अभिनेत्री संग रोमांस कर चुके हैं। फिल्म चीनी कम में वह तब्बू के साथ नजर आए थे। जिस वक्त उन्होंने ये फिल्म की थी। तब तब्बू 34 साल की थीं और अमिताभ 64 के थे।

निशब्द भी अमिताभ बच्चन स्टारर फिल्म है। ये फिल्म 2007 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन के साथ जिया खान नजर आई थीं। निशब्द में तो अमिताभ और जिया खान के बीच लिप किस सीन भी फिल्माया गया है। जिस वक्त से फिल्म आई थी, तब अमिताभ 62 के थे और जिया खान 18 की थीं।

अनिल कपूर और श्रीदेवी स्टारर फिल्म लम्हे साल 1991 में रिलीज हुई थी। हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हुई थी। फिल्म के फ्लॉप होने की एक वजह ये भी है कि हीरो पहले मां से प्यार करता है और फिर मां की मौत के बाद बेटी के साथ रिश्ते को आगे बढ़ाता है। उस दौर में इस तरह की कहानी दर्शकों के लिए स्वीकार कर पाना आसान नहीं था।

दिल चाहता है फरहान अख्तर की बतौर डायरेक्टर डेब्यू वाली फिल्म थी। इस फिल्म में डिंपल कपाड़िया और अक्षय खन्ना के रिलेशनशिप को दिखाया गया है। जबकि अक्षय, डिंपल से उम्र में कई साल छोटे हैं।

नीब करौरी बाबा का आशीर्वाद लेने पहुंचे कैंची धाम, दोनों को देवभूमि खींच लाती है ये वजह

आस्ट्रेलिया में टी 20 वर्ल्ड कप पूरा होने के बाद विराट बुधवार को परिवार के साथ कुमाऊं पहुंचे हैं। वर्ल्ड कप में रन मशीन साबित हुए विराट फार्म वापसी के बाद बाबा नीब करौरी महाराज से आशीर्वाद पहुंचे। गुरुवार सुबह उन्होंने पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ नीब करोरी बाबा का आशीर्वाद लिया।

पत्नी अनुष्का शर्मा ने सितंबर में विराट के शतक के बाद बाबा नीब करौरी की तस्वीर शेयर की थी। संभवतया उन्होंने विराट की फार्म वापसी के लिए दुआ मांगी थी और मुराद पूरी होने पर वह विराट के साथ यहां पहुंची हैं। नैनीताल जिले में भवाली–अल्मोड़ा एनएच किनारे स्थित कैंची धाम देश–विदेश के लोगों के लिए श्रद्धा और आस्था का केंद्र रहा है। बाबा नीम करौली महाराज में विराट की पत्नी अनुष्का की भी श्रद्धा है।

यह पहली बार तब पता चला जब एशिया कप में विराट के अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक लगाने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर बाबा नीब करौरी महाराज की तस्वीर शेयर की थी। साथ ही एक नोट लिखा– 'यू डोंट हैव जव चेंज एनी बडी, यू जस्ट हैव टू लव देम' यानी आपको किसी को बदलने की जरूरत नहीं है, आपको बस उनसे प्यार करना है' शेयर की है। इसके बाद उनकी यह पोस्ट देशभर में वायरल हो गई। इसके बाद पता चला कि अनुष्का भी बाबा नीब करौरी की परम भक्त हैं।

विराट की शानदार फार्म एशिया कप के बाद आस्ट्रेलिया में हुए वर्ल्ड कप में भी जारी रही। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। इस बीच विराट का शेड्यूल काफी व्यस्त रहा। वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद समय मिलते ही विराट ने बुधवार को परिवार के साथ देवभूमि का रुख किया।

वह हेलिकॉप्टर में भवाली स्थित घोड़ाखाल हैलीपैड पर उतरे। अचानक परिवार संग देवभूमि आगमन को तीन साल बाद फार्म वापसी के लिए बाबा का धन्यवाद अदा करने और आशीर्वाद लेने से जोड़कर देखा जा रहा है। उत्तराखंड के प्रवासी छात्र–छात्राओं को जैसे ही विराट के उत्तराखंड पहुंचने की जानकारी लगी तो उनकी ताजा तस्वीरें सोशल मीडिया पर छा गईं।

व्हाट्सएप और एफबी की स्टोरी में विरुष्का के यहां पहुंचने के बाद की वीडियो लोगों ने जमकर शेयर की। स्टेटस से लेकर लोगों की जुबां पर उनके देवभूमि आगमन की चर्चा रही। बाबा के भक्तों में आम आदमी से लेकर दुनियाभर के नामी लोग शामिल हैं। बाबा के भक्त और लेखक रिचर्ड अल्बर्ट ने मिरेकल आफ लव नाम से बाबा पर पुस्तक लिखी है।

इस पुस्तक में बाबा नीब करौरी के चमत्कारों का विस्तार से वर्णन है। एप्पल के फाउंडर स्टीव जॉब्स, फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग जैसी बड़ी विदेशी हस्तियां बाबा की भक्त हैं। हर साल 15 जून को धाम में विशाल मेले व भंडारे का आयोजन होता है। 15 जून को पावन धाम में स्थापना दिवस मनाया जाता है। बाबा नीब करौरी ने इस आश्रम की स्थापना 1964 में की थी।

विशाल जेठवा अब दिखेंगे इस हैरान कर देने वाले किरदार में, कहानी सुनते ही बोल पड़े सलाम वेंकी

अभिनेता विशाल जेठवा ने अपनी काबिलियत का लोहा अपनी फिल्म 'मर्दानी 2' से ही मनवा लिया है। विशाल जेठवा अब अपनी दूसरी फिल्म 'सलाम वेंकी' के साथ दर्शकों के सामने आने की तैयारी कर रहे हैं। इस बार उनकी भूमिका रानी मुखर्जी अभिनीत 'मर्दानी 2' फिल्म के खलनायक से बिलकुल अलग होगी। जेठवा 'सलाम वेंकी' में एक चर्चित शख्सीयत वेंकटेश की भूमिका निभाने जा रहे हैं। वेंकटेश की कहानी स्वास्थ्य जगत की चर्चित कहानी रही है। इस कहानी को परदे पर उतारने की जिम्मेदारी बतौर निर्देशक रेवती ने उठाई है।

जेठवा फिल्म 'सलाम वेंकी' में वेंकटेश बने है, जो कि एक डिजनरेटिव बीमारी 'डचेने मस्कुलर डिस्ट्रोफी' से ठीक होने वाला एक मरीज है और अपने बचने की संभावनाओं पर डॉक्टरों की भविष्यवाणी का सामना कर रहा है। ये एक ऐसा मामला है जिसने चिकित्सकीय जगत के दिग्गजों को भी हैरान कर दिया कि कैसे एक मनुष्य सिर्फ सार्थक विचारों (पॉजिटिव थिंकिंग) और अपने हौसले से चिकित्सकों की भविष्यवाणी को भी झुठला सकता है। फिल्म में अंगदान के बारे में भी कई सवालों के जवाब तलाशने की कोशिश की गई है।

फिल्म 'सलाम वेंकी' के बारे में जेठवा कहते हैं, 'यह सुनकर मैं काफी रोमांचित था कि मुझे काजोल मैडम के साथ काम करने का मौका मिल सकता है। जब मैं फिल्म के नरेशन के लिए गया तो हमें कहानी सुनाते सुनाते फिल्म की पूरी टीम भावुक हो गई। लेखक की तो आंखों में आंसू देखकर मैं दंग रह गया। मैं अपनी मां के काफी करीब हूँ। जब मुझे पता चला कि यह असंभव चुनौतियों का सामना कर रहे मां–बेटे की कहानी है तो मैं इसके लिए तुरंत राजी हो गया। यह भूमिका मुझे अपनी शख्सियत का एक दूसरा पहलू सामने लाने का मौका दे रही है।

काजोल के साथ फिल्म 'सलाम वेंकी' में काम करने का मौका मिलने के सवाल पर विशाल कहते हैं, 'मैं उन भाग्यशाली कलाकारों में से हूं जिन्हें रानी मुखर्जी मैम और काजोल मैम दोनों के साथ काम करने का मौका मिला है। ये दोनों ही आज के जमाने की सिनेमा लीजेंड हैं। मैं इसे अपनी अच्छी किस्मत ही मानता हूं और इतनी प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों के सामने एक्टिंग में अपने हुनर को दिखाने का मुझे मौका मिला।

झुग्गी झोपड़ी
सत्वाधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार यादव द्वारा रमा प्रिंटिंगप्रेस 53/25/1ए, बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित रहीमाबाद पोस्ट कटहुला गौसपुर जिला प्रयागराज तहसील सदर से प्रकाशित
सम्पादक
संजय कुमार यादव
RNI No.: UPHIN/2015/63182
दूरभष : 0532–2618074
मोबाईल : 9918366626
डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23
e-mail: Jhuggijhopari@gmail.com
Website- www.Jhuggijhopari.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा